दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

जींस की सफाई करते समय न करें ...8

सिद्धार्थनगर
गुरुवार, 21 मई 2026
वर्षः 13 अंक : 152 पृष्ठः 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

पीएम मोदी के मेलोडी गिफ्ट ने मचाया धमाल, ब्लिंकइट–इंस्टामार्ट से टॉफी हुई गायब!

रोम यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इतालवी प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को पार्ले मेलोडी का एक पैकेट उपहार में देने के बाद, भारतीय उपभोक्ता तुरंत ऑनलाइन शॉपिंग प्लेटफॉर्म पर जाकर वही टॉफी खरीदने के लिए टूट पड़े और देखते ही देखते दुकानों से सारी टॉफियाँ गायब हो गईं। देश के कई हिस्सों में ब्लिंकइट, जेप्टो और इंस्टामार्ट पर मेलोडी टॉफियाँ फिलहाल स्टॉक में नहीं हैं। इस कूटनीतिक क्षण ने वह कर दिखाया जो दशकों के विज्ञापन भी पैदा नहीं कर पाए थेरू एक रुपये से भी कम कीमत वाली टॉफी के लिए लोगों में होड़ मच गई।

इंस्टाग्राम और एक्स पर, ब्लिंकइट ने कहा कि ऐप पर मेलोडी की खोज में अचानक वृद्धि देखी जा रही है क्योंकि सोशल मीडिया उपयोगकर्ता इंटरनेट पर मेलोडी से जुड़े मीम्स से भर रहे हैं, जो मोदी और मेलोनी से जुड़ा उपनाम है और अब वायरल हो चुका है। ब्लिंकइट ऐप पर 100 रुपये के मेलोडी कैंडी के पैकेट स्टॉक से बाहर हो गए थे, और ऑनलाइन चर्चा के बीच 50 रुपये के पैकेट ही उपलब्ध थे, जिससे यह टॉफी भेंट किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया है। इस हल्के–फुल्के राजनयिक क्षण पॉप–कल्चर और ई–कॉमर्स ट्रेंड में बदल गया। दोनों नेताओं के बीच सौहार्दपूर्ण संबंधों को दर्शाने के लिए सोशल मीडिया पर हैशटैग ष्मेलोडीष् का व्यापक रूप से उपयोग किया जा रहा है।

इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी 'मेलोडी' पल ने सोशल मीडिया पर दोनों नेताओं से जुड़े चर्चित 'मेलोडी' शब्द को फिर से चर्चा में ला दिया। मेलोनी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह कहती सुनाई दे रही हैं, "प्रधानमंत्री मोदी मेरे लिए एक बहुत ही अच्छी टॉफी लेकर आए हैंकृमेलोडी।" उन्होंने वीडियो के साथ लिखा, "उपहार के लिए धन्यवाद।" बुधवार को अपलोड किए गए इस वीडियो में प्रधानमंत्री मोदी भी नजर आते हैं और मेलोनी के 'मेलोडी' टॉफी के जिक्र पर हंसते दिखाई देते हैं।

पीएम मोदी की 'मेलोडी ' वाली टॉफी पर भड़के राहुल, बोले– ये नेतृत्व नहीं, सिर्फ नौटंकी है

विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तब निशाना साधा जब इटली के प्रधानमंत्री मेलोनी को मेलोडी टॉफी देते हुए उनका एक वीडियो वायरल हुआ। राहुल गांधी ने ग पर एक पोस्ट में कहा कि हमारे सिर पर आर्थिक तूफान मंडरा रहा है, और हमारे प्रधानमंत्री इटली में मिठाइयाँ बाँटने में व्यस्त हैं! उन्होंने आगे कहा कि किसान, युवा, महिलाएं, मजदूर और छोटे व्यापारी सभी रो रहे हैं – प्रधानमंत्री हँस रहे हैं और रील बना रहे हैं, जबकि भाजपा के लोग तालियाँ बजा रहे हैं। यह नेतृत्व नहीं, नौटंकी है। इटली की प्रधानमंत्री जियोर्जिया मेलोनी ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी, जब उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इटली दौरे के दौरान उन्हें मेलोडी टॉफी का पैकेट उपहार में देने का वीडियो साझा किया।

पीएम मोदी को यूएन का बड़ा सम्मान

इटली में मिला एफएओ का एग्रीकोला मेडल भारत के अन्नदाताओं को किया समर्पित

रोम। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इटली की राजधानी रोम में बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) के मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में एफएओ का एग्रीकोला मेडल प्रदान किया गया।

उन्हें यह सम्मान कृषि, खाद्य सुरक्षा और ग्रामीण विकास में भारत के योगदान के लिए प्रदान किया गया है। एफएओ के महानिदेशक क्यू डोंग्यू ने उन्हें यह मेडल प्रदान किया।

पीएम मोदी ने कहा कि एग्रीकोला मेडल पाकर वह गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं और उन्होंने इसे देश के अन्नदाताओं को समर्पित किया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह

सम्मान कृषि सुधारों, खाद्य सुरक्षा और हर चुनौती में किसानों के हितों को प्राथमिकता देने की मोदी जी की अटूट प्रतिबद्धता की एक वैश्विक स्वीकृति है।

प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एफएओ मुख्यालय में आयोजित समारोह में मैंने अत्यंत विनम्रता के साथ एफएओ का एग्रीकोला मेडल स्वीकार किया। मैं एफएओ का आभारी हूं। मैं यह सम्मान भारत के अन्नदाताओं, हमारे भोजन प्रदाताओं को समर्पित करता हूं।

आगे कहा कि यह हमारे किसानों, पशुपालन और मत्स्य पालन से जुड़े लोगों, हमारे कृषि वैज्ञानियों और नवप्रवर्तकों की कड़ी मेहनत को मान्यता है। यह मानव कल्याण, खाद्य सुरक्षा और सतत विकास के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता की भी स्वीकृति है। बता दें कि एग्रीकोला मेडल एफएओ की ओर से उन विशिष्ट व्यक्तियों को प्रदान किए जाने वाले सर्वोच्च सम्मानों में से एक है, जिन्होंने दुनियाभर में खाद्य सुरक्षा, बेहतर पोषण और कृषि विकास की दिशा में प्रयासों को आगे बढ़ाने में असाधारण भूमिका निभाई है।

मेलोनी बोलीं, श्एपरिश्रम ही सफलता की कुंजी है

इतालवी प्रधानमंत्री जार्जिया मेलोनी ने भारत और इटलवी के बीच मजबूत होने रहे संबंधों को रेखांकित करते हुए बुधवार को हिंदी में कहा, श्एपरिश्रम ही सफलता की कुंजी है।

पीडीए ऑडिट दस्तावेज जारी कर अखिलेश यादव का आरोप, बीजेपी सरकार कर रही आरक्षण की लूट

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बुधवार को भाजपा सरकार पर आरक्षण व्यवस्था को कमजोर करने का आरोप लगाते हुए कहा कि संविधान के तहत प्रदत्त अधिकारों को प्राप्त करने के लिए लोगों को अदालतों का रुख करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए यादव ने आरक्षण की लूट पर पीडीए ऑडिट नामक एक दस्तावेज जारी किया। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि पीडीए ऑडिट और आरक्षण की लूट पर यह दस्तावेज लगातार बेहतर होता रहेगा और इसमें और अधिक आंकड़े शामिल किए जाएंगे। यादव ने जून 2023 में श्पीडीएश शब्द गढ़ा था, जिसका अर्थ है श्पिछड़े श, श्दलितश और श्अल्पसंख्यकश। उन्होंने कहा कि वर्चस्ववादी ताकतें रोजगार बाजार में आरक्षण को खत्म कर रही हैं।

वे श्एनएफएसश (उपयुक्त नहीं पाया गया) का भ्रामक नारा फैला रही हैं और अपने जैसी विचारधारा वाले लोगों को पिछले दरवाजे से नौकरी दिलवाने में लगी हैं। भाजपा छल कर रही है। भाजपा असमानता के खिलाफ सदियों पुरानी इस लड़ाई को अनुचित तरीकों से जीतना चाहती है। वह तीसरे पक्ष – न्यायपालिका – को भी प्रभावित करने की हद तक जा रही है। उन्हें समानता नहीं चाहिए। सत्ताधारी भाजपा को निशाना बनाते हुए यादव ने कहा कि अगर छात्रों और उम्मीदवारों को संवैधानिक प्रावधानों को लागू करवाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़े, तो यह समझा जाना चाहिए कि सरकार पक्षपातपूर्ण है। उन्होंने आरोप लगाया कि अगर हमें संवैधानिक अधिकारों के लिए अदालतों का रुख करना पड़े, तो इसका मतलब है कि सरकार पक्षपातपूर्ण है। और जो पक्षपातपूर्ण होता है, वह विश्वासघाती भी होता है। पक्षपात अपने आप में अन्याय है क्योंकि यह अधिकारों को छीन लेता है।

संसद प्रमुख ने आरक्षण को सामाजिक न्याय और समानता का साधन बताया। उन्होंने कहा कि आरक्षण सुरक्षा है। आरक्षण सामाजिक समन्वय का एक उपकरण और माध्यम भी है। भाजपा सरकार की मनमानी कार्रवाई का जिक्र करते हुए यादव ने कहा कि अगर भाजपा सरकार को बुलडोजर का इस्तेमाल करना ही है, तो उन्हें असमानता की खाई को पाटने और सभी को उनका उचित आरक्षण दिलाने के लिए इसका इस्तेमाल करना चाहिए।

नीट पेपर लीकः मास्टरमाइंड शुभम खैरनार की सीबीआई हिरासत बढ़ी

दिल्ली की एक अदालत ने बुधवार को 2026 के **NEET-UG** प्रश्न पत्र लीक मामले में आरोपी शुभम खैरनार की सीबीआई हिरासत बढ़ा दी और पांच अन्य को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सीबीआई की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद छह आरोपियों को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया गया। केंद्रीय एजेंसी ने इनमें से पांच की न्यायिक हिरासत मांगी थी। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने याचिका स्वीकार करते हुए मंगिलाल बिवाल, विकास बिवाल, दिनेश बिवाल, यश यादव और धनंजय लोखंडे को 2 जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इस बीच, खैरनार की सीबीआई हिरासत अदालत ने पांच दिन और बढ़ा दी। सीबीआई ने अदालत को बताया कि अन्य आरोपियों की पहचान करने और श्लीक हुए कागजातश खरीदने वालों का पता लगाने के लिए यह विस्तार आवश्यक था।

पश्चिम एशिया संकट पर बोले मंत्री नायडू, भारत सतर्क, हवाई किराए पर सरकार की पूरी नजर

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि पश्चिम एशिया में बढ़ते संकट से उत्पन्न होने वाले संभावित परिणामों के लिए भारत को तैयार रहना चाहिए, साथ ही उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि वर्तमान स्थिति देश के लिए तत्काल चिंता का विषय नहीं है। मंत्री ने कहा कि नागरिक उड्डयन सहित सभी क्षेत्रों को संभावित जोखिमों का सक्रिय रूप से आकलन करना चाहिए और उनसे निपटने की योजना तैयार करनी चाहिए। रांची में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि वर्तमान में स्थिति चिंताजनक नहीं है, लेकिन हमें सतर्क रहना होगा। नागरिक उड्डयन सहित प्रत्येक क्षेत्र को इसके प्रभाव का आकलन

करना होगा और अल्पकालिक, मध्यम अवधि और दीर्घकालिक रणनीतियां तैयार करनी होंगी। वैश्विक अनिश्चितता के बीच बढ़ती यात्रा लागतों को लेकर चिंताओं को दूर करते हुए मंत्री ने कहा कि केंद्र ने घरेलू यात्रियों को किराया वृद्धि से बचाने के लिए पहले ही उपाय कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि विमानन क्षेत्र को सहारा देने और किराए को स्थिर करने के लिए विमानन टरबाइन ईंधन (एटीएफ) के साथ–साथ हवाई अड्डे के लैंडिंग और पार्किंग शुल्क में भी कमी की गई है। पिछले सप्ताह, दिल्ली सरकार ने एटीएफ पर मूल्य वर्धित कर (एटीएफ) को 25 प्रतिशत से घटाकर 7 प्रतिशत कर दिया। नायडू ने कहा कि घरेलू मार्गों पर प्रतिदिन लगभग पांच लाख यात्री यात्रा करते हैं। हम हवाई किरायों पर लगातार नजर रख रहे हैं।

भारत हो रहा नक्सल मुक्त

एकनाथ शिंदे ने अमित शाह के प्रयासों की जमकर तारीफ की

मुंबई। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने नक्सलवाद उन्मूलन के लिए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि देश को नक्सल मुक्त बनाने का केंद्र का मिशन महाराष्ट्र के गढ़चिरोली क्षेत्र सहित कई क्षेत्रों में सफल हो रहा है। अमित शाह के नक्सलवाद संबंधी बयान पर बोलते हुए शिंदे ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र में नक्सलवाद का खतरा काफी हद तक कम हो गया है और लोगों को रोजगार और आजीविका के अधिक अवसर मिल रहे हैं। शिंदे ने पत्रकारों से कहा कि गृह मंत्री ने देश को

उठाया है और वे इसमें सफल हो रहे हैं। महाराष्ट्र में भी गढ़चिरोली जैसे क्षेत्रों में नक्सलियों की संख्या में कमी आई है। नक्सलवाद कम हो रहा है, लोगों को रोजगार और आजीविका मिल रही है, नक्सलवाद का उन्मूलन हो रहा है। शिंदे ने अमित शाह को उनके प्रयासों के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि नक्सल मुक्त गढ़चिरोली। इसीलिए मैं गृह मंत्री अमित शाह को धन्यवाद देता हूं.. और भारत नक्सल मुक्त हो रहा है। इससे पहले, मंगलवार को छत्तीसगढ़ में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश और क्षेत्र का नक्सल मुक्त होना ही काफी नहीं हैय लक्ष्य 2031 तक बस्तर को एक विकसित क्षेत्र बनाना है। उन्होंने कहा कि 2031 में जब बस्तर पूरी तरह विकसित हो जाएगा, तब दुनिया गवाह बनेगी कि नक्सलवाद ही इसकी प्रगति में बाधक था।

पंजाब में सत्ता समर्थक लहर, केजरीवाल बोले– भगवंत मान के काम से टूटेगा त्मबवतक

आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को पंजाब में आगामी चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर पूरा भरोसा जताया और कहा कि सत्ता समर्थक लहर के चलते पार्टी अपना ही रिकॉर्ड तोड़ने के लिए तैयार है। राज्य के दौरे के दौरान मीडिया से बात करते हुए, आप प्रमुख ने कहा कि जनता में जो सकारात्मक भावना है, वह भगवंत मान के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों का परिणाम है। केजरीवाल ने कहा कि मैं पंजाब में दो दिवसीय दौरे पर हूं, जहां मैं चुनाव के संबंध में पंजाब के नेतृत्व से कई बैठकें करूंगा। मुझे पूरा विश्वास है कि आम आदमी पार्टी आगामी चुनावों में अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगी। पंजाब में ।।च सरकार के प्रति सकारात्मक माहौल है। हमारी सरकार के प्रति सत्ता समर्थक भावना है, न कि सत्ता विरोधी भावना। राज्य सरकार की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए केजरीवाल ने दावा किया कि जनता उन कल्याणकारी योजनाओं के प्रभाव को स्वीकार कर रही है, जिन्हें पहले अन्य राजनीतिक दलों द्वारा नजरअंदाज किया जाता था। आम आदमी पार्टी के प्रमुख ने जोर देकर कहा कि लोग हमारे कार्यों की चर्चा कर रहे हैं, जैसे मुफ्त बिजली, 10 लाख रुपये का बीमा और खेल के मैदानों का निर्माण। किसी भी अन्य सरकार ने इतना काम नहीं किया। विपक्ष के पास मान साहब को मौखिक रूप से गाली देने के अलावा कोई एजेंडा नहीं है। हम आने वाले चुनावों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

क्या रनवीर सिंह की फिल्म धुरंधर से राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरा? दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र से मांगा जवाब

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने केंद्र सरकार और केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) को सैन्य कर्मियों द्वारा लगाए गए उन आरोपों की जांच करने का निर्देश दिया है कि फिल्म धुरंधर द रिवेंज में सैन्य और खुफिया अभियानों से संबंधित संवेदनशील जानकारी का खुलासा किया गया है। न्यायमूर्ति देवेंद्र कुमार उपाध्याय और न्यायमूर्ति तेजस कारिया की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी के समक्ष एक

अभ्यावेदन प्रस्तुत करने का निर्देश दिया और संबंधित अधिकारियों से याचिका में उठाए गए मुद्दों पर विचार करने को कहा। यह याचिका सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के एक कर्मी दीपक कुमार ने अधिवक्ता जगजीत सिंह के माध्यम से दायर की थी। याचिका में कहा गया है कि याचिकाकर्ता वर्तमान में नई दिल्ली के आरके पुरम स्थित एसएसबी के बल मुख्यालय में तैनात हैं। याचिकाकर्ता के वकील के अनुसार, फिल्म को लेकर आपत्ति जताते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय और सीबीएफसी को 23 मार्च, 2026 को पहले ही एक अभ्यावेदन भेजा जा चुका था। याचिका में आरोप लगाया गया था कि रणवीर सिंह अभिनीत फिल्म के कुछ दृश्यों में परिचालन विधियों, सामरिक प्रक्रियाओं और खुफिया गतिविधियों को इस तरह से दिखाया गया है जिससे राष्ट्रीय सुरक्षा प्रभावित हो सकती है और गुप्तचर एजेंटों को खतरा हो सकता है। यह तर्क दिया गया कि फिल्म में कथित तौर पर वास्तविक जीवन के सैन्य और खुफिया अभियानों पर आधारित कुछ स्थानों और कार्यों को बहुत स्पष्ट रूप से

क्या पुडुचेरी बनेगा पूर्ण राज्य ? सीएम रंगासामी ने केंद्र सरकार पर जताया अटूट विश्वास, कही बड़ी बात

पुडुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी ने बुधवार को इस बात पर दृढ़ विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र शासित प्रदेश एक पूर्ण राज्य बन जाएगा, और कहा कि इस दिशा में निरंतर संरचनात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। नव निर्वाचित विधायकों के शपथ ग्रहण समारोह के बाद मीडिया से बात करते हुए रंगासामी ने कहा कि पुडुचेरी राज्य का दर्जा पाने की अपनी मांग पर अडिग रहेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ घनिष्ठ सहयोग और साझा दृष्टिकोण पर प्रकाश डालते हुए प्रधानमंत्री के शब्दों को

उद्धृत किया कि पुडुचेरी सर्वश्रेष्ठ पुडुचेरी बन रहा है। यह सभी क्षेत्रों में विकास कर रहा है। कल्याणकारी सहायता भी प्रदान की जा रही है। पुडुचेरी सर्वश्रेष्ठ राज्य के रूप में उभर रहा है, और हम राज्य का दर्जा पाने के लिए लगातार प्रयास करते रहेंगे। हमें यह जरूर मिलेगा। प्रधानमंत्री को पूरा विश्वास है कि केंद्र सरकार पुडुचेरी को राज्य का दर्जा देगी, और यह विश्वास निश्चित रूप से कायम रहेगा। मुख्यमंत्री ने आश्वासन दिया कि कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी और केंद्र सरकार के साथ संबंध मजबूत बने रहेंगे। आगामी रिक्त सीट के लिए राजनीतिक व्यवस्थाओं के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए रंगासामी ने कहा कि थट्टांचावड़ी निर्वाचन क्षेत्र के उपचुनाव की घोषणा के बाद ही पता चलेगा कि किस पार्टी ने किस उम्मीदवार को मैदान में उतारा है? उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री नारायणसामी द्वारा मंत्री पद के लिए 100 करोड़ रुपये के सौदे के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि अगर वह बताते हैं कि उन्होंने किससे बात की, तो उनकी जांच की जा सकती है। रंगासामी ने तमिलनाडु की नवगठित सरकार को बधाई दी और उसके नेतृत्व को अपना समर्थन देते हुए कहा कि तमिलनाडु की नवगठित सरकार को हार्दिक बधाई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री को मेरी शुभकामनाएं।

24 घंटे में दो बुलेट बाइक चोरी का हुआ खुलासा, नेपाल के दो आरोपी गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जनपद की भवानीगंज थाना पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो बुलेट मोटरसाइकिल चोरी की घटनाओं का 24 घंटे के भीतर खुलासा कर दिया। पुलिस ने नेपाल निवासी दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की मोटरसाइकिलें, अवैध तमंचा और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ थाना भवानीगंज में मु0अ0सं0 57/2026 धारा 303(2), 317(2) बीएनएस तथा मु0अ0सं0 58/2026 धारा 3/25 आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। जांच के दौरान यह भी सामने आया कि दोनों आरोपी थाना इटवा, जनपद सिद्धार्थनगर के मु0अ0सं0 80/2026 तथा थाना कोतवाली बलरामपुर के मु0अ0सं0 108/2026 में दर्ज चोरी के मामलों में भी वांछित थे। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थनगर के निर्देश पर अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार प्रसाद एवं क्षेत्राधिकारी डुमरियागंज बृजेश कुमार वर्मा के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई की। पुलिस किया। तलाशी के दौरान उनके

टीम ने 19 मई 2026 को सरयू नहर पुलिया के पास ग्राम भड़रिया से उत्तर जाने वाले मार्ग पर करीब 150 मीटर दूरी से दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कब्जे से एक बुलेट मोटरसाइकिल, एक तमंचा 315 बोर, एक जिंदा कारतूस, चोरी की हंटर बाइक बेचने से प्राप्त 5350 रुपये नकद तथा बलरामपुर से चोरी हुई एक अन्य बुलेट मोटरसाइकिल बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्तों की पहचान इस्माइल शाह पुत्र अब्दुल्ला शाह निवासी कृष्णा नगर बैंक रोड, नेपाल तथा मोहम्मद अरमान पुत्र स्वर्गीय मोहम्मद हलीम निवासी चौपुरवा, कृष्णा नगर, नेपाल के रूप में हुई है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी विजय शंकर सिंह, उपनिरीक्षक राजेन्द्र प्रसाद, उपनिरीक्षक रामशब्द यादव, कांस्टेबल सत्यप्रकाश यादव, आनंद कुमार, रोहित कुमार भारती, रोशन राय एवं रामू की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पर्यावरण व ईंधन सुरक्षा को लेकर निकाली जागरूकता रैली

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। श्री ब्रजेश्वरी इंटर कॉलेज घरुआर के छात्र–छात्राओं ने बुधवार को पर्यावरण संरक्षण, स्वच्छता और ईंधन सुरक्षा को लेकर जागरूकता रैली एवं साइकिल यात्रा निकाली। प्रधानाचार्य उदय प्रकाश मौर्य के नेतृत्व में निकली रैली घरुआर विद्यालय से शुरू होकर बढ़नी तिरंगा चौराहे तक पहुंची। रैली में शामिल छात्र–छात्राओं ने हाथों में तख्तियां लेकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया। इस दौरान "सांसें हो रही हैं कम, आओ वृक्ष लगाएं हम", "एक वृक्ष दस पुत्र समान", "धरती को हरा–भरा बनाना है, मिलजुल कर पेड़ लगाना है", "पेट्रोल–डीजल की फिजूलखर्ची न करें" तथा "स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत" जैसे नारे लगाए गए। प्रधानाचार्य उदय प्रकाश मौर्य ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और ईंधन बचत को लेकर लोगों को जागरूक करना समय की आवश्यकता है। विद्यार्थियों की भागीदारी से समाज में सकारात्मक संदेश जाता है। इस अवसर पर शिक्षक मुकेश निगम, आलोक पांडेय, मोहम्मद इशा, वेद प्रकाश, रमेश यादव, रामानुज सोनकर सहित छात्र सूरज प्रताप, निखिल अग्रहरि, मनोज विश्वकर्मा तथा छात्राएं तारा, रिमझिम, अंजनी, छाया, अंजू व मोहिनी मौजूद रहीं।

शराब पीने की जगह को लेकर जमकर हुई मारपीट, युवक घायल

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। तुलसीपुर चौराहा के पास स्थित एक बगीचे में बुधवार को शराब पीने के दौरान बैठने की जगह को लेकर विवाद हो गया, जिसमें एक युवक के साथ जमकर मारपीट की गई। सूचना पर पहुंची डायल 112 पुलिस ने किसी

तरह मामला शांत कराया और घायल युवक को उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। जानकारी के अनुसार ढेबरुआ थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत रेडवरिया निवासी मेहताब (26) पुत्र मोहम्मद शब्बीर शराब ठेके के पास स्थित बगीचे में शराब पीने गया था। इसी दौरान वहां मौजूद किसी अज्ञात युवक से बैठने की जगह को लेकर विवाद हो गया। देखते ही देखते कहासुनी मारपीट में बदल गई और युवक की पिटाई कर दी गई। मारपीट में मेहताब के सिर समेत शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रास्ते से गुजर रहे गड़रखा के चौकीदार रोहित ने बीच–बचाव कर स्थिति को संभालने का प्रयास किया और घटना की सूचना डायल 112 पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने विवाद को शांत कराया और घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शोहरतगढ़ भेजा। बताया जा रहा है कि अस्पताल पहुंचने के बाद भी घायल युवक काफी दहशत में दिखाई दे रहा था और बार–बार "मुझे मत मारो" कहता रहा। घटना के बाद युवक मानसिक रूप से भयभीत नजर आया। सीएचसी अधीक्षक डॉ. ए.के. आजाद ने बताया कि युवक का प्राथमिक उपचार करने के बाद उसे डिस्चार्ज कर दिया गया। घटना के दौरान गांव के ग्राम प्रधान मोहम्मद मुस्तफा समेत अन्य लोग भी मौके पर मौजूद रहे।

आद्याशरण चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजबल्लभ सिंह महामंत्री घोषित

बस्ती। सोषित समाज दल का दो दिवसीय 21 वां राष्ट्रीय सम्मेलन बड़ेवन के निकट स्थित एक रेस्टोरेन्ट के सभागार में सम्पन्न हुआ। राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के वर्तमान सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक स्थिति, युद्ध के बीच उभरी स्थितियों पर व्यापक विमर्श किया गया। वक्ताओ ने सोषित समाज दल के उद्देश्य को विस्तार से रखा। अधिवेशन के दूसरे सत्र में रामविलास पासवान की देख रेख में राम विलास प्रसाद की देख रेख में 22 वीं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के 11 सदस्यीय समिति का गठन किया गया। सर्व सम्मत से पूर्व न्यायाधीश आद्याशरण चौधरी राष्ट्रीय अध्यक्ष, राम प्रवेश यादव पूर्व मुखिया, मुकेश प्रसाद उपाध्यक्ष, राजबल्लभ सिंह महामंत्री, विनोद कुमार, लौटन प्रसाद राष्ट्रीय मंत्री, वृजनन्दन सिंह कोषाध्यक्ष घोषित किये गये।इसके साथ ही अखिलेश्वर प्रसाद, राकेश कुमार, ओम प्रकाश कटियार, केदारनाथ भाष्कर सदस्य चुने गये। यह जानकारी देते हुये महामंत्री राजबल्लभ सिंह ने बताया कि राष्ट्रीय सम्मेलन में देश के अनेक राज्यों के प्रतिनिधियों, सदस्यों ने हिस्सा लिया।

ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में बेलौहा बाजार के मेडिकल स्टोर बंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

खेसरहा/सिद्धार्थनगर। खेसरहा ब्लॉक के बेलौहा बाजार में बुधवार को ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट्स एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) के आह्वान पर मेडिकल स्टोर संचालकों ने अपनी दुकानों को बंद रखकर ऑनलाइन दवा बिक्री, भारी डिस्काउंट और नकली दवाओं के विरोध में प्रदर्शन किया। बंद के चलते सुबह से ही बेलौहा बाजार की अधिकांश मेडिकल दुकानें बंद रहीं, जिससे दवा लेने पहुंचे मरीजों और ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई लोग आवश्यक दवाओं के लिए इधर–उधर भटकते नजर आए। मेडिकल स्टोर संचालकों रामसुभग गुप्ता, मन्नान खान, विप्लव विश्वास, चंद्रभूषण पांडे, वीरेंद्र गुप्ता, जौहर अली सहित अन्य व्यापारियों ने कहा कि ऑनलाइन दवा बिक्री से छोटे मेडिकल कारोबारियों को भारी नुकसान हो रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बिना पर्याप्त निगरानी के ऑनलाइन माध्यम से दवाओं की बिक्री होने से नकली दवाओं का खतरा भी बढ़ता जा रहा है। दवा व्यापारियों ने सरकार से ऑनलाइन दवा बिक्री पर रोक लगाने तथा छोटे मेडिकल कारोबारियों के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता 2026–27 की तैयारियां शुरू

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में संस्कृत भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रचार–प्रसार के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान द्वारा आयोजित "संस्कृत प्रतिभा खोज" प्रतियोगिता वर्ष 2026–27 की तैयारियां जनपद स्तर पर शुरू हो गई हैं। इसी क्रम में महर्षि कम आश्रम श्री सांख्य मठ के आचार्य शिशिर कुमार मिश्रा को कार्यक्रम का संयोजक नामित किया गया है। उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, भाषा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन के अधीन कार्यरत प्रमुख संस्था है, जो प्रतिवर्ष संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता के माध्यम से विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जागृत करने का कार्य करती है। इस संबंध में संस्थान के निदेशक प्रेमेंद्र कुमार गुप्त द्वारा आधिकारिक पत्र जारी किया गया है। प्रतियोगिता के अंतर्गत श्लोक अंताक्षरी, संस्कृत

सामान्य ज्ञान, संस्कृत गीत, अष्टाध्यायी कंठस्थ पाठ, अमरकोश कंठस्थ पाठ, लघु सिद्धांत कौमुदी कंठस्थ पाठ तथा तारक संग्रह कंठस्थ पाठ सहित विभिन्न सांस्कृतिक एवं बौद्धिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं में जनपद के संस्कृत अध्ययनरत छात्र–छात्राएं भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को नगद पुरस्कार, प्रशस्ति पत्र एवं सम्मान प्रदान किया जाएगा। जनपद के सभी विद्यालयों के कक्षा 6 से 12 तक के विद्यार्थी उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। जनपद स्तर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र–छात्राओं को मंडल स्तर की प्रतियोगिता में भाग लेने का अवसर मिलेगा। वहीं मंडल स्तर पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागी राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे।

पारिवारिक विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। चिल्हिया थाना क्षेत्र के अलीदापुर गांव में पारिवारिक विवाद के बाद एक युवक द्वारा कथित तौर पर फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई, जबकि परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। जानकारी के अनुसार अलीदापुर निवासी प्रदीप कुमार शादी–विवाह कार्यक्रमों में कैटरिंग का कार्य करता था। बताया जा रहा है कि पत्नी नीलम उर्फ गुड़िया से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था, जिसके बाद वह नाराज होकर रिश्तेदारी में चली गई थी। इसी बात को लेकर प्रदीप मानसिक तनाव में चल रहा था। परिजनों के मुताबिक बीती रात प्रदीप ने कमरे का दरवाजा बंद कर लिया। सुबह काफी देर तक

बाहर न निकलने पर घरवालों ने आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। इसके बाद जब कमरे का दरवाजा खोला गया तो प्रदीप का शव फंदे से लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिवार में कोहराम मच गया और गांव में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। सूचना मिलते ही पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया तथा मामले की जांच शुरू कर दी है। मृतक अपने पीछे बूढ़े माता–पिता, चार भाइयों, करीब 12 वर्षीय बेटी संध्या और तीन वर्षीय बेटे प्रियांशु को छोड़ गया है। घटना के बाद परिवार पूरी तरह सदमे में है।परिजनों द्वारा पुलिस को दी गई तहरीर में किसी पर प्रत्यक्ष आरोप नहीं लगाया गया है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। घटना की सूचना पर ग्राम प्रधान पंकज चौबे भी मौके पर पहुंचे और परिजनों को ढांढस बंधाया। फिलहाल गांव में घटना को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं जारी हैं।

ग्राम पंचायत आमबारी ग्राम प्रधान द्वारा मनरेगा के तीन कार्यों पर 98 मजदूरों कि फर्जी हाजरी का खेल

दैनिक बुद्ध का संदेश/श्रवण पाण्डेय

बस्ती। बस्ती जिले के रुधौली विकासखंड क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत आमबारी के राजस्व गांव मुड़ाडीहा कला में मनरेगा कार्यों में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि मुड़ाडीहा कला मे जयप्रकाश के खेत के उत्तर गड्ढा खुदाई कार्य, मुड़ाडीहा कला गांव के उत्तर पोखरा खुदाई कार्य तथा .ष्ण चन्द्र मिश्रा के चक से पूरब तरफ होते हुए सत्याराम के चक तक चकमार्ग निर्माण कार्य के नाम पर फर्जी तरीके से धन निकासी की तैयारी की जा रही है। मीडिया टीम द्वारा ग्राउंड जीरो पर पहुंचकर की गई पड़ताल में धरातल पर कार्य की स्थिति बेहद संदिग्ध मिली। मौके पर कार्य के अनुरूप मजदूर नहीं पाए गए, जबकि अभिलेखों में 98 मनरेगा मजदूरों की उपस्थिति दर्ज किए जाने की बात सामने आई है। 252 रुपये प्रतिदिन मजदूरी के हिसाब से एक दिन की मजदूरी 24,696 रुपये बनती है, जबकि 15 दिन में कुल 3,70,440 रुपये भुगतान निकालने की तैयारी चल रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस पूरे मामले में ग्राम प्रधान, पंचायत सचिव, तकनीकी सहायक, जेई सहित संबंधित अधिकारी–कर्मचारी की मिलीभगत से फर्जी हाजिरी लगाकर सरकारी धन का बंदरबांट किया जा रहा है। मामले को लेकर प्रभारी बीडीओ ने बताया कि शिकायत और मीडिया रिपोर्ट के माध्यम से मामला संज्ञान में आया है। जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने वाले संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

विकास खंड जोगिया के ग्राम पंचायत टडीया बाजार के राम चंदर पाण्डेय ब्रह्मभोज कार्यक्रम का आयोजन संपन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थ नगर। जनपद सिद्धार्थनगर के विकासखंड जोगिया उदयपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत दरिया बाजार के विकास पुरुष पूर्व जिला पंचायत सदस्य रामचंद्र पांडे के ब्रह्म भोज का कार्यक्रम ग्राम पंचायत दरिया बाजार में उनके सुपुत्र पंकज कुमार पांडे के नेतृत्व में भव्य रूप से आयोजन हुआ तमाम कांग्रेसी नेताओं सपा नेता और तमाम समाज के लोगों ने बढ़–चढ़कर उनके ब्रह्म भोज में हिस्सा लिया और उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया और लोगों ने उनके व्यवहार और स्वभाव के बारे में चर्चा करते हुए कहा कि जोगिया ब्लाक के ग्राम दरिया बाजार में जो विकास की गति देने वाले थे वह रामचंद्र पांडे थे उन्होंने टाडिया बाजार में टावर लाने का प्रयास

किया और एसबीआई बैंक उन्हीं के घरों में आज विद्यमान है तीसरी उन्होंने दरिया बाजार में पेट्रोल पंप खुलवाने का काम किया तो कहीं ना कहीं टाडिया बाजार का विकास इनके माध्यम से जुड़ा रहा और निरंतर आगे बढ़ रहा था अब वह जिम्मेदारी पंकज पासवान के कंधे पर रामचंद्र पांडे सौंप के गए हैं और इसे आगे बापू भी निभाने का आशा जाते जब वही मनोज कुमार पंकज पांडे जी से बात किया तो उन्होंने कहा आप सभी सम्मानित बड़े भाई बन्धु का सहयोग साथ रहेगा तो हम अपने पिता के मार्गदर्शन के माध्यम से आगे बढ़ने का काम करेंगे और लोगों का आशीर्वाद और सहयोग देने की आवश्यकता है हम भी अभी युवा हैं हमें कोई ज्यादा जानकारी नहीं है लेकिन मेरा प्रयास रहेगा कि हम सभी लोगों से मिलजुल कर समाज में विकास करेंगे और लोगों के सहयोग में खड़े रहेंगे हमें आप लोग का आशीर्वाद की आवश्यकता है जिसमें सरिया के वर्तमान प्रधान अनिल कुमार जायसवाल मनोज कुमार संपादक कांग्रेस के जिला अध्यक्ष सोहेल कई सतीश कुमार पांडे डॉक्टर प्रमोद कुमार गुंजन पांडे राजकुमार पासवान आदि कई लोगों ने उनके चित्रों पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन करते हुए विनम्र श्रद्धांजलि दी गई।

मुख्यमंत्री ने सड़कों की गुणवत्ता और सड़क सुरक्षा पर दिया जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लोक निर्माण विभाग की वित्तीय वर्ष 2026–27 की कार्ययोजना की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा करते हुए प्रदेश की सड़कों के विकास एवं सड़क सुरक्षा को लेकर अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में प्रदेश के सभी जनपदों के अधिकारी एवं संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। समीक्षा

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि प्रदेश की सभी सड़कों का निर्माण एवं मरम्मत कार्य गुणवत्ता के साथ समयबद्ध तरीके से पूर्ण कराया जाए। उन्होंने कहा कि सड़कें विकास की आधारशिला हैं और बेहतर सड़क संपर्क से आमजन को सुविधा मिलने के साथ आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलती है। मुख्यमंत्री ने ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की खराब और गड्ढायुक्त सड़कों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द दुरुस्त कराने के निर्देश दिए। बैठक में सड़क सुरक्षा को लेकर भी विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने दुर्घटना संभावित स्थलों की पहचान कर वहां सड़क संकेतक, डिवाइडर, रिलेक्टर, स्ट्रीट लाइट एवं स्पीड ब्रेकर जैसी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही सड़क सुरक्षा के प्रति जनजागरूकता अभियान चलाने एवं यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सड़क निर्माण कार्यों में पारदर्शिता एवं गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण एवं कार्यों की सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर डुमरियागंज सांसद जगदंबिका पाल, जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जी.एन., पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन, मुख्य विकास अधिकारी बलराम सिंह सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ ब्लॉक की 7 ग्राम पंचायतों को बाल श्रम मुक्त बनाने का पारित हुआ प्रस्ताव

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश अभियान के तहत शोहरतगढ़ ब्लाक में बुधवार को ब्लाक स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति (सीडब्लूपीसी) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र की सात ग्राम पंचायतों अलीदापुर, डोहरिया खुर्द, सियांव नानकार, महली, परिगवां, भादमुस्तकहम एवं करमा गाँव को बाल श्रम मुक्त ग्राम पंचायत बनाए जाने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक की अध्यक्षता ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि इंजी० अमित यादव ने की। बैठक में जानकारी दी गई कि मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के प्रतिनिधियों द्वारा पिछले कई महीनों से संबंधित गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत परिवारों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने, स्कूल छोड़ चुके बच्चों का पुनः नामांकन कराने तथा ग्राम स्तरीय बाल कल्याण एवं संरक्षण समिति की बैठकों के माध्यम से बाल श्रम मुक्त ग्राम पंचायत का प्रस्ताव पारित कराने का कार्य किया गया है। ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि अमित यादव एवं खंड विकास अधिकारी चंद्रभूषण यादव ने कहा कि बाल श्रम की समस्या को समाप्त करने के लिए परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना आवश्यक है। इसके लिए पात्र परिवारों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने पंचायत सहायकों को भी ओरिएंट करने की आवश्यकता बताई, ताकि अधिक से अधिक जरूरतमंद परिवार योजनाओं से लाभान्वित हो सकें। उन्होंने कहा कि सभी न्याय पंचायतों से कुछ गांवों को चिन्हित कर प्रथम चरण में कार्य प्रारंभ किया जाए तथा आगामी बैठकों में प्रगति की समीक्षा भी सुनिश्चित की जाए। मानव संसाधन एवं महिला विकास संस्थान के डिस्ट्रिक्ट लीड प्रसून शुक्ला ने कहा कि यदि ग्राम स्तर पर सभी संबंधित विभागों और स्टेकहोल्डर्स का सहयोग मिलता रहा तो मुख्यमंत्री के बाल श्रम मुक्त उत्तर प्रदेश के संकल्प को शीघ्र पूरा किया जा सकेगा। बैठक में एडीओ पंचायत संजय पटेल, संरक्षण अधिकारी विवेक मालवीय, जिला सलाहकार जय प्रकाश, ब्लाक समन्वयक ई. अमन शर्मा सहित कई अधिकारियों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने विचार रखे। इस दौरान डॉ. अर्जुन यादव, उप निरीक्षक राम बदन यादव, उप निरीक्षक अशोक कुमार, ग्राम विकास अधिकारी लालचंद चौधरी, गौरव श्रीवास्तव, राम सिंह, अजय भारतीया, राम स्वरूप गुप्ता, ग्राम पंचायत अधिकारी निशा श्रीवास्तव, कुंवर कन्नौजिया, कामेश्वर मिश्रा, ग्राम प्रधान राजेंद्र, प्रधान प्रतिनिधि धर्मेंद्र चौधरी, एमआईएस अंबरीष श्रीवास्तव समेत ब्लाक स्तरीय स्टेकहोल्डर्स एवं ग्राम प्रधान मौजूद रहे।

अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री के विरोध में जिले भर के मेडिकल स्टोर बंद

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जनपद में अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री और ई–फार्मेसी के विरोध में बुधवार को कुछ दुकानों को छोड़कर जिले भर के लगभग सभी मेडिकल स्टोर बंद रहे। यह एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल दवा विक्रेता समिति सिद्धार्थनगर (डीवीएस) के आह्वान पर आयोजित की गई, जिसे ऑल इंडिया ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट्स (एआईओसीडी) तथा ऑर्गेनाइजेशन ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट उत्तर प्रदेश (ओसीडीयूपी) का समर्थन प्राप्त था। दवा विक्रेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी के माध्यम से सौंपते हुए ऑनलाइन माध्यम से हो रही दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। समिति के जिला अध्यक्ष मोहम्मद जमील सिद्दीकी ने कहा कि बिना स्पष्ट कानूनी प्रावधान के ऑनलाइन दवाओं की बिक्री, फर्जी इलेक्ट्रॉनिक पर्ची, बिना चिकित्सकीय परामर्श के दवा वितरण और भारी छूट देकर बिक्री करना मरीजों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन चुका है। उन्होंने कहा कि औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम 1940 तथा नियम 1945 में ऑनलाइन दवा बिक्री का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं है, इसके बावजूद कई ऑनलाइन कंपनियां वर्षों से दवाओं की बिक्री कर रही हैं। इससे छोटे और लाइसेंसधारी मेडिकल स्टोर संचालकों के सामने आर्थिक संकट उत्पन्न हो गया है। दवा विक्रेताओं ने सरकार से अवैध ऑनलाइन दवा कारोबार पर सख्त कार्रवाई करते हुए छोटे दवा विक्रेताओं के हितों की रक्षा करने की मांग की। दवा विक्रेताओं ने आरोप लगाया कि कोविड काल में जारी जीएसआर 220(ई) अधिसूचना का दुरुपयोग ऑनलाइन मंचों और त्वरित वाणिज्य कंपनियों द्वारा किया जा रहा है। उन्होंने मांग की कि अवैध ऑनलाइन दवा बिक्री पर तत्काल रोक लगाई जाए, बिना सत्यापित इलेक्ट्रॉनिक पर्ची के दवा वितरण बंद किया जाए तथा जीएसआर 817(ई) और जीएसआर 220(ई) को वापस लिया जाए। ज्ञापन में कहा गया कि देशभर के दवा विक्रेता स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं और कोविड महामारी के दौरान भी दवा आपूर्ति सुचारु बनाए रखने में अहम भूमिका निभाई थी। इस अवसर पर जिला महामंत्री मनोज कुमार जायसवाल, नगर अध्यक्ष सिद्धार्थनगर अनिरुद्ध राय, नगर महासचिव मोज़िबुल्लाह, मुजीब, नगर सचिव मुर्तजा खान, संघ सदस्य अशफाकुल्लाह, नगर कोषाध्यक्ष अखिलेश यादव सहित अन्य दवा विक्रेता मौजूद रहे।

सांकेतिक हड़ताल के पश्चात दवा विक्रेता समिति ने किया बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। दवा विक्रेता इकाई समिति बांसी के आह्वान पर गुरुवार 20 मई को बांसी क्षेत्र में दवा विक्रेताओं ने अपने मांगों को लेकर विरोध स्वरूप अपने दुकानों को बंद रखा। इस दौरान दवा विक्रेता संघ की स्थानीय इकाई द्वारा रानी लक्ष्मीबाई विवाह वाटिका में एक बैठक किया गया। अपरान्ह 11 बजे से महामंत्री ओबैदुल्लाह के अध्यक्षता में चले बैठक में सरकार से मांग की गई कि आन लाइन ई फार्मेसी बन्द हो । आन लाइन ई फार्मेसी से अधिकतर नौजवानों तक एनआरएक्स व प्रतिबंधित दवाएं आसानी से उपलब्ध हो रही है। जिस से समाज में नशाखोरी बढ़ रहा है जो समाज के हित में नहीं है। मेडिकल स्टोर के लिए फार्मासिस्ट की आवश्यकता होती है। जबकी आनलाइन फार्मसी में ऐसी कोई सुविधा नहीं है।इस दौरान मनीष श्रीवास्तव अमिताभ श्रीवास्तव, विनय तिवारी नियाज अहमद, मोनू पाण्डेय, विक्की पाण्डेय जय गोविन्द साहू, मंजीत जायसवाल अनिल श्रीवास्तव, विजय श्रीवास्तव,नोमान,वसीम रमेश चौरसिया आदि मौजूद रहे।

बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से मनाने के लिए पीस कमेटी की बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। ईदु – उल– जुहा (बकरीद) पर्व को शांतिपूर्ण वातावरण में सम्पन्न कराने तथा जनपद में कानून व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जनपद स्तरीय पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. ने की। इस दौरान पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन, अपर जिलाधिकारी (वि./रा.) गौरव श्रीवास्तव एवं अपर पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार मौजूद रहे। बैठक में जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए जनप्रतिनिधियों, संभ्रांत नागरिकों, उपजिलाधिकारियों, क्षेत्राधिकारियों, थानाध्यक्षों एवं अन्य अधिकारियों के साथ बकरीद पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने बताया कि सभी थाना क्षेत्रों में पीस कमेटी की बैठकें आयोजित कर लोगों से शांति एवं भाईचारे के साथ त्योहार मनाने की अपील की गई है। जिलाधिकारी श्री शिवशरणप्पा जी.एन. ने कहा कि सिद्धार्थनगर एक शांतिप्रिय जनपद है और इसकी पहचान को बनाए रखना हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी समुदायों के लोगों से आपसी प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ त्योहार मनाने की अपील की। जिलाधिकारी ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देश देते हुए कहा कि छोटी से छोटी घटनाओं पर भी गंभीरता से नजर रखी जाए, जिससे किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति उत्पन्न न होने पाए। उन्होंने नगर पालिका, नगर पंचायत एवं संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि ईदगाहों और मस्जिदों के आसपास साफ–सफाई, नालियों की सफाई, ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव, पेयजल एवं बिजली की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि नमाज सार्वजनिक स्थलों एवं सड़कों पर न पढ़ी जाए तथा प्रतिबंधित पशुओं की कुर्बानी न की जाए। कुर्बानी के बाद अवशेषों का उचित निस्तारण करने के भी निर्देश दिए गए, ताकि गंदगी न फैलने पाए। पुलिस अधीक्षक डॉ. अभिषेक महाजन ने कहा कि 28 मई को मनाए जाने वाले बकरीद पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं सक्रिय रहेगा। उन्होंने लोगों से सोशल मीडिया पर अफवाह एवं आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करने की अपील करते हुए कहा कि किसी भी सूचना को साझा करने से पहले उसकी सत्यता अवश्य जांच लें। उन्होंने कहा कि यदि कहीं कोई समस्या उत्पन्न होती है तो तत्काल संबंधित अधिकारियों को सूचना दें। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, समस्त उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, थानाध्यक्ष, अधिशासी अधिकारी नगर निकाय एवं बड़ी संख्या में संभ्रांत नागरिक उपस्थित रहे।

शोहरतगढ़ धर्मांतरण प्रकरण में सोशल मीडिया पोस्ट से बढ़ी हलचल

दैनिक बुद्ध का संदेश

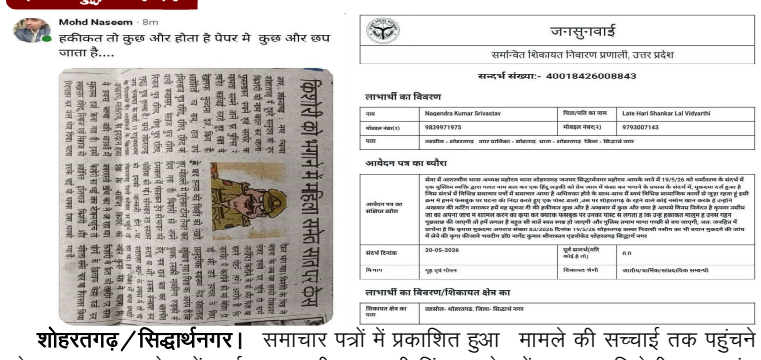

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ थाना क्षेत्र में दर्ज धर्मांतरण एवं नाबालिग को कथित रूप से प्रेमजाल में फंसाकर भगाने के प्रयास के मामले में अब सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों को लेकर नया मोड़ सामने आया है। शोहरतगढ़ निवासी अधिवक्ता डॉ. नागेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने प्रभारी निरीक्षक को प्रार्थना पत्र देकर मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। प्रार्थना पत्र में अधिवक्ता ने उल्लेख किया है कि 19 मई 2026 को थाना शोहरतगढ़ में दर्ज मुकदमा अपराध संख्या 83/2026 से संबंधित समाचार विभिन्न समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था। इसी घटना की निंदा करते हुए उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर एक पोस्ट साझा की थी। उनका आरोप है कि उक्त पोस्ट पर शोहरतगढ़ निवासी नसीम खान नामक व्यक्ति ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अखबारों में प्रकाशित खबर वास्तविक तथ्यों से अलग है और घटना की सच्चाई कुछ और है। डॉ. श्रीवास्तव ने पुलिस से अनुरोध किया है कि यदि नसीम खान को घटना की वास्तविक जानकारी है तो उन्हें जांच में शामिल कर उनका बयान दर्ज किया जाए। उनका कहना है कि इससे पुलिस को मामले की सच्चाई तक पहुंचने में सहायता मिलेगी तथा जांच प्रक्रिया और अधिक स्पष्ट हो सकेगी। अधिवक्ता ने इस संबंध में आईजीआरएस पोर्टल पर भी शिकायत दर्ज कराने की बात कही है। उन्होंने सोशल मीडिया पर साझा किए गए अपने संदेश में कहा कि यदि संबंधित व्यक्ति के पास घटना से जुड़े तथ्य हैं तो उन्हें निष्पक्ष जांच में सहयोग करना चाहिए, जिससे सत्य सामने आ सके। हालांकि पुलिस की ओर से इस मामले में आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है, लेकिन क्षेत्र में यह मामला चर्चा का विषय बना हुआ है।

पत्नी से विवाद के बाद युवक ने फांसी लगाकर दी जान

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना चिल्हिया क्षेत्र के ग्राम सभा अलीदापुर टोला गौरा बाजार में पारिवारिक विवाद के चलते एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, गांव निवासी प्रदीप कुमार गुप्ता (30 वर्ष) पुत्र जवाहिर का मंगलवार देर शाम किसी बात को लेकर पत्नी से विवाद हो गया। कहा–सुनी के बाद नाराज पत्नी घर से बाहर चली गई। काफी तलाश के बाद भी जब पत्नी नहीं मिली तो युवक गुस्से और तनाव में आ गया। बताया जा रहा है कि इसी दौरान प्रदीप कुमार ने घर के अंदर रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। कुछ देर बाद जब परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो घर में चीख–पुकार मच गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव के लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर पहुंची थाना चिल्हिया पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी की तथा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

उपजाऊ जमीन अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। तहसील क्षेत्र के ग्राम सिकटा, पोस्ट रमवांपुर इबे के किसानों ने संभावित भूमि अधिग्रहण के विरोध में उपजिलाधिकारी बांसी को ज्ञापन सौंपकर अपनी उपजाऊ जमीन बचाने की मांग की है। किसानों का आरोप है कि चकबंदी विभाग के अधिकारी गांव में जमीन की पैमाइश करने पहुंचे थे और फैक्ट्री स्थापना के उद्देश्य से भूमि अधिग्रहण की बात कही गई। ग्रामीणों ने बताया कि वे छोटे और सीमांत किसान हैं तथा खेती ही उनके परिवार की जीविका का एकमात्र सहारा है। किसानों का कहना है कि यदि उनकी जमीन अधिग्रहित की गई तो उनके सामने रोजी–रोटी का गंभीर संकट खड़ा हो जाएगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से उनकी उपजाऊ कृषि भूमि को अधिग्रहण से बचाने की मांग की। किसानों ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे किसी भी स्थिति में अपनी जमीन अधिग्रहित नहीं होने देंगे और इसका लोकतांत्रिक तरीके से हर स्तर पर विरोध करेंगे। किसानों ने प्रशासन से मामले में संवेदनशीलता दिखाते हुए उनकी समस्याओं पर ध्यान देने की अपील की। ज्ञापन देने वालों में सुनील कुमार, सर्वजीत चौधरी, अर्जुन, रामनरेश चौधरी, विनोद कुमार, विश्वनाथ पाण्डेय, आशा पटेल, अनिल कुमार सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे।

शोहरतगढ़ में डीजल-पेट्रोल के लिए पेट्रोल पंपों पर लगी लंबी कतारें

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ ऑटोमोबाइल पेट्रोल पंप पर इन दिनों डीजल और पेट्रोल लेने के लिए वाहन चालकों की भारी भीड़ उमड़ रही है। बुधवार को सुबह से ही पेट्रोल पंप पर दोपहिया, चारपहिया वाहनों समेत डिब्बा और गैलन लेकर पहुंचे लोगों की लंबी कतारें देखने को मिलीं। बढ़ती भीड़ के कारण उपभोक्ताओं को घंटों इंतजार करना पड़ा, जिससे लोगों में असंतोष भी नजर आया। स्थानीय लोगों के अनुसार इस समय खेती–बाड़ी का कार्य तेजी पर है। खेतों में जुताई, सिंचाई और अन्य कृषि कार्यों के चलते डीजल की मांग सामान्य दिनों की तुलना में काफी बढ़ गई है। वहीं दूसरी ओर शादी–विवाह का सीजन होने के कारण भी वाहनों की आवाजाही बढ़ी हुई है, जिससे पेट्रोल और डीजल की खपत अधिक हो रही है। ऐसे में पेट्रोल पंपों पर भीड़ बढ़ना स्वाभाविक माना जा रहा है। जानकारी के मुताबिक डिपो से पेट्रोल और डीजल की आपूर्ति अपेक्षाकृत कम मात्रा में पहुंच रही है, जिसके चलते कई पेट्रोल पंपों पर सीमित मात्रा में ही ईंधन उपलब्ध कराया जा रहा है। यही वजह है कि वाहन चालक सुबह से ही लाइन में लगने को मजबूर हैं। हालांकि प्रशासन लगातार यह दावा कर रहा है कि जनपद में डीजल और पेट्रोल की कोई कमी नहीं है, लेकिन पेट्रोल पंपों पर उमड़ रही भीड़ प्रशासनिक दावों की वास्तविकता पर सवाल खड़े कर रही है। लोगों का कहना है कि यदि पर्याप्त मात्रा में आपूर्ति हो रही होती तो इतनी लंबी कतारें नहीं लगतीं। बुधवार को बोरा ऑटोमोबाइल पेट्रोल पंप पर चारपहिया वाहनों को 2000 रुपये तक, डिब्बा या गैलन में 1000 रुपये तक तथा बाइक चालकों को 200 और 500 रुपये तक का ही डीजल–पेट्रोल दिया जा रहा था। वहीं गैलन में डीजल लेने वालों से आधार कार्ड की फोटो कॉपी भी मांगी जा रही है, ताकि कथित रूप से तस्करी पर अंकुश लगाया जा सके।

हिन्दू बनकर नाबालिग से बढ़ाई नजदीकियां, फरार होने से पहले पकड़ा गया आरोपी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ कस्बे में नाम और धर्म छिपाकर एक नाबालिग किशोरी को बहला–फुसलाकर भगाने के आरोप में पुलिस ने सात लोगों के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस को दी गई तहरीर के अनुसार, 18 मई की शाम कस्बे की एक 17 वर्षीय किशोरी अचानक घर से लापता हो गई। काफी तलाश के बाद जानकारी मिली कि वह मोहल्ले के ही एक युवक के साथ शोहरतगढ़ रेलवे स्टेशन पर मौजूद है। परिजन मौके पर पहुंचे तो आरोप है कि युवक किशोरी को अपने साथ ले जाने का प्रयास कर रहा था। विरोध करने पर उसने धक्का–मुक्की की और धमकी देते हुए मौके से फरार हो गया। बाद में परिजन किशोरी को अपने साथ घर वापस ले आए। परिवार का आरोप है कि आरोपी युवक इंतियाज उर्फ राज पुत्र रशीद ने अपना नाम और धर्म छिपाकर खुद को हिंदू बताया था। इसी फर्जी पहचान के जरिए वह किशोरी के संपर्क में आया था। परिजनों का कहना है कि आरोपी ने किशोरी को अपने प्रभाव में लेकर उसे भगाकर ले जाने की साजिश रची। घटना के बाद जब परिजन आरोपी के घर शिकायत करने पहुंचे तो आरोप है कि आरोपी पक्ष के लोगों ने गाली–गलौज और मारपीट की। इस दौरान किशोरी की मां की तबीयत बिगड़ गई, जिन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराना पड़ा। परिवार ने जान से मारने की धमकी देने का भी आरोप लगाया है। पुलिस ने इस मामले में इंतियाज उर्फ राज पुत्र रशीद, रशीद, सिराज, रियाज, गोलू, गुड्डू समेत सात लोगों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 191(2), 115(2), 352, 351(3), 110, 137(2), 87 तथा उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम–2021 की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया है। शोहरतगढ़ इंस्पेक्टर नवीन कुमार सिंह ने बताया कि मामले की गंभीरता से जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सम्पादकीय

निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों , दोनों के हितों की रक्षा कर सके। हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए...

जन–सुरक्षा व पशु–कल्याण के बीच हो संतुलन

इसमें दो राय नहीं कि स्थानीय निकायों द्वारा आवारा कुत्तों को हटाने के संबंध में विगत में दिए अपने निर्देशों को नरम न करने का सर्वोच्च न्यायालय का हालिया निर्णय, बिगड़ते जन–सुरक्षा संकट में एक आवश्यक हस्तक्षेप है। हाल के वर्षों में, देश भर में स्थानीय प्रशासन व निकाय कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार हो रही चिंताजनक वृद्धि को रोकने में विफल ही रहे हैं। ऐसे में शासन व प्रशासन स्तर पर इस समस्या के निराकरण की कोई सार्थक पहल न होते देख ही, शीर्ष अदालत को हस्तक्षेप करना पड़ा है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल के अनुसार, साल 2023 में तीस लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले दर्ज किए गए थे। उसके अगले साल 2024 में रोकथाम के कोई ठोस प्रयास न होने के कारण 37 लाख मामले दर्ज किए गए। आंकड़े बता रहे हैं कि औसतन प्रतिदिन दस हजार घटनाएं सामने आ रही हैं। वहीं कई राज्यों व शहरों में इन घटनाओं में अप्रत्याशित वृद्धि देखी गई है। हाल ही में सामने आए केरल के आंकड़ों के अनुसार, वहां एक साल के भीतर ही 3.6 लाख से अधिक कुत्तों के काटने के मामले सामने आए हैं। वहीं दूसरी दिल्ली से सटे नोएडा में कुछ ही महीनों में हजारों शिकायतों के बाद हॉटस्पॉट की पहचान की गई। इन शिकायतों में स्कूलों के पास उनका जमावड़ा होना, चलने में असमर्थ बुजुर्ग नागरिकों का शिकार बनना व आम नागरिकों के आवारा कुत्तों के भय में जीने के मामले उजागर हुए हैं। दरअसल, विगत में भी इस संकट के कारगर समाधान के लिये शीर्ष अदालत ने सख्त निर्देश दिए थे। स्थानीय नगर निगम व नगर पालिकाओं की जवाबदेही तय की थी कि कुत्तों को शेल्टर होम ले जाकर उनकी नसबंदी की जाए और टीकाकरण किया जाए। लेकिन इस दिशा में कारगर पहल होती नजर नहीं आई। वहीं तसवीर का दूसरा पहलू है कि यह संकट समाज और संस्थाओं द्वारा जानवरों के प्रति किए जाने वाले व्यवहार में परेशान करने वाली विफलता को भी दर्शाता है। पिछले दिनों चंडीगढ़ से एक स्तब्धकारी घटना ने हर किसी संवेदनशील व्यक्ति को विचलित किया,जब एक अज्ञात व्यक्ति ने एक पिल्ले को धधकते तंदूर में फेंककर जिंदा जला दिया। ऐसे शर्मनाक कृत्य उस भयावह क्रूरता को उजागर करते हैं, जो सार्वजनिक चर्चाओं में उजागर नहीं होती। इस घटना ने इन जीवों की दयनीय स्थिति को ही उजागर किया। वहीं भूख से बिलबिलाते कुत्तों द्वारा कथित तौर पर अपने ही बच्चों को खाने के मामले भी शामिल हैं। शीर्ष अदालत की इस टिप्पणी से सहमत हुआ जा सकता है कि जानवरों के साथ मानवीय व्यवहार का मतलब नागरिकों की सुरक्षा की अनदेखी करना नहीं हो सकता। लेकिन इसके साथ ही जन सुरक्षा को पशु कल्याण की उपेक्षा का बहाना भी नहीं बनाया जा सकता है। निस्संदेह, सुप्रीम कोर्ट द्वारा कानूनी रूप से जानवरों को स्थानांतरित करने पर दिए गए जोर के साथ अब आश्रय स्थलों, नसबंदी केंद्रों, टीकाकरण अभियानों और पशु चिकित्सा सुविधाओं में अधिक निवेश करने की सख्त जरूरत है। निश्चय ही यह चुनौती एक जटिल विषय है। सही मायनों में चुनौती यह भी है कि एक मानवीय, जवाबदेह और प्रभावी आवारा पशु प्रबंधन व्यवस्था का निर्माण किया जाए, जो नागरिकों और कुत्तों , दोनों के हितों की रक्षा कर सके। हमेशा से ही कुत्ते की गिनती मनुष्य के वफादार साथी के रूप में की जाती रही है। सदियों से दोनों एक साथ रहे हैं। उन कारणों की भी पड़ताल की जानी चाहिए, जिनके चलते कुत्ते अचानक आक्रामक व्यवहार दिखाने लगे हैं। निश्चय ही बढ़ता तापमान बदलते मौसमों के प्रति संवेदनशील इन जीवों को बेचौन किए हुए है। भूख व आश्रय के अभाव से उपजे असुरक्षाबोध ने भी उन्हें आक्रामक बनाने में भूमिका निभायी है। ऐसे में पशु प्रेमी संगठनों और स्थानीय प्रशासन को मिलकर इस संकट का कारगर समाधान निकालना होगा। ये समाधान सिर्फ सरकार या स्थानीय निकायों के बूते होना संभव नहीं है। पशु प्रेमियों की बड़ी पहल के परिणाम बदलाव लाने में सकारात्मक भूमिका का निर्वहन कर सकते हैं।

साहब अब झटकों से नहीं लगता डर

बंधु! जिसका जन्म ही झटके खाने के लिए हुआ हो, वह झटकों से भला कब तक डरे? क्यों डरे? अब जब कोई मुझे झटका देता है तो उसका वह झटका मेरे लिए परेशानी का नहीं, ऊर्जा का काम करता है। मेरा और झटकों का चोली–दामन का नाता है। इससे पहले कि मेरे घर आज का अखबार आता उन्होंने मुझे आज की ताजा खबर 'राम! राम!' के बाद बिना रुके सुनाते कहा, 'मुबारक हो डियर! अखबार बोल रहा है कि शीघ्र ही फिर कोई झटका लगने वाला है, और पता है वह भी कितने वोल्ट का? पूरे चार सौ चालीस वोल्ट का।' 'मतलब?' मैंने सहज होते पूछा तो वे यूं बोले मानो उन्हें लगने से पहले ही चार सौ चालीस बोल्ट का झटका लग चुका हो, 'डीजल–पेट्रोल, गैस सब महंगे!' 'होने दो! महंगाई और बेवफाई को कौन रोक सकता है?' कहते हुए मैं स्थितप्रज्ञ हुआ। जिसके पास किसी से भी बचने का कोई विकल्प न हो वही स्थितप्रज्ञ होता है। फिर फीकी चाय की लंबी सांस से भी लंबी घूंट लेने के बाद मैंने उनसे कहा, 'बंधु! अब मुझे न चार सौ चालीस और न आठ सौ अस्सी बोल्ट के झटकों से कोई फर्क पड़ता है। ये मेरे सफेद बाल देख रहे हो न! ये झटके खाते–खाते ही सफेद हुए हैं। मैंने जिंदगी में कदम–कदम पर इतने–इतने वोल्ट के झटके सहन कर लिए हैं कि अब हर झटका मुझे झटका नहीं, मात्र गुदगुदी लगता है। अब तो जिस दिन मुझे कोई झटका नहीं लगता, उस दिन मेरा बीपी बढ़ जाता है। बंधु! जिसका जन्म ही झटके खाने के लिए हुआ हो, वह झटकों से भला कब तक डरे? क्यों डरे? अब जब कोई मुझे झटका देता है तो उसका वह झटका मेरे लिए परेशानी का नहीं, ऊर्जा का काम करता है। मेरा और झटकों का चोली–दामन का नाता है। जब मैं स्कूल में पढ़ता था तो परीक्षा परिणाम वाले दिन झटका खा लेता था। तब कुछ देर के लिए झटके से हिलता जरूर था, पर थोड़ी देर बाद ऐसे नार्मल हो जाता था मानो कुछ हुआ ही न हो। पढ़ने–लिखने के बाद बेरोजगारी के झटके शुरू हुए तो वे झटके डट कर खाए। अब तो जब घर में होता हूं तो बीवी झटके देती है। बीवी के झटकों से बचने घर से बाहर जाता हूं तो दोस्त झटके देते हैं। घर से धकियाया बाजार जाता हूं तो बाजार झटका देता है। रिश्तेदारों के बीच होता हूं तो रिश्तेदार झटके देते हैं। अब तो जब–जब पानी का खाली गिलास पानी पीने को उठाता हूं तो कंबख्त पानी का खाली गिलास भी झटका देता है। ऐसे में अब बंधु! ये चार सौ चालीस वोल्ट का झटका मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता। मेरे जैसा आम आदमी इस व्यवस्था में जन्म लेता ही झटके खाने को है।' मैंने उन्हें आम आदमी की सबसे बड़ी खासियत के बारे में बताया तो पता नहीं क्यों वे चुप हो गए? आखिर वे भी एक आम आदमी ही हैं न!

संधियों के टिकाऊ ढांचे से डीलमेकिंग की डगमग डगर तक

वर्तमान सौदेबाजी की दुनिया बिना किसी निश्चित दिशा के बह रही है। संधियों की स्याही से नहीं, बल्कि राष्ट्रीय हितों के बदलते समीकरणों से संचालित हो रही है। यह व्यवस्था लचीली है, पर नाजुक भी।

नीति–निर्माताओं के लिए असली चुनौती है–तात्कालिक सौदेबाजी को दीर्घकालिक स्थिरता में बदलना। जब तक यह नहीं होता, रियलपश्चलिटिक का यह नया युग महाशक्तियों के दोहरे खेल और छोटे–...

दुनिया अब टिकाऊ संधियों और संस्थागत ढांचों के तहत परस्पर नहीं जुड़ी है। नियम आधारित व्यवस्था से सौदेबाजी की ओर बढ़ी है। रियलपॉलिटिक में महाशक्तियों का दोहरा खेल जारी है। आर्थिक संबंध भी व रणनीतिक शत्रुता भी। मल्टी अलाइनमेंट के इस दौर में दीर्घकालिक स्थिरता लाना जरूरी है। द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद की वैश्विक व्यवस्था संधियों और संस्थागत ढांचों पर टिकी थी। ब्रेटन वुड्स वित्तीय ढांचे से लेकर संयुक्त राष्ट्र तक, सब कुछ नियम–आधारित था। यह व्यवस्था आदर्शवादी थी, जहां कानून और संधियां स्थायित्व देती थीं। लेकिन आज वह ढांचा बिखर चुका है। उसकी जगह आ गई है रियलपॉलिटिककृजहां स्थायी प्रतिबद्धताओं की जगह तात्कालिक सौदेबाजी और लचीले हितों का जाल है। साल 2024–25 में यूक्रेन युद्ध, गाजा संकट और ताइवान पर बढ़ते तनाव ने यह साफ कर दिया कि नियमों की दुनिया अब केवल कागज पर है। दुनिया कठोर किलों से 'लाउंज कूटनीति' की ओर बढ़ी है। शीत युद्ध के नाटो और वारसा पैक्ट जैसी संस्थाएं कठोर थी, उनका उल्लंघन नहीं होता था। साल 1991 में सोवियत पतन के बाद उभरे जी–20, एससीओ और ब्रिक्स जैसे मंच जानबूझकर गैर–बाध्यकारी रखे गए। वर्ष 2024 की ब्रिक्स शिखर बैठक में सऊदी अरब और ईरान की सक्रिय भागीदारी ने दिखाया कि यह मंच अब 'आ ला कार्टे' कूटनीति का प्रतीक है। देश अपनी सुविधा से आते–जाते हैं। स्थायी प्रतिबद्धता नहीं, सुविधानुसार साझेदारी। मौजूदा विश्व में व्यापार और युद्ध का अजीब संगम सामने है। इस नई व्यवस्था

का सबसे बड़ा लक्षण है निहित सहनशीलता। अमेरिका–चीन तनाव के बावजूद व्यापार जारी है। साल 2025 में अमेरिकी टेक कंपनियों ने चीन से 70 फीसदी से अधिक रेयर अर्थ एलिमेंट्स आयात किए, जबकि वाशिंगटन बीजिंग को 'रणनीतिक प्रतिद्वंद्वी' कहता रहा। पुरानी दुनिया में यह आत्मघाती होता, पर आज इसे आवश्यक लागत माना जाता है। यह विरोधाभास बताता है कि आपसी आर्थिक संबंध और रणनीतिक शत्रुता अब एक साथ चल रही हैं। कूटनीति अब औपचारिक संधियों से नहीं, बल्कि फोन कॉल से तय होती है। मसलन, भारत–रूस तेल व्यापार पर अमेरिका का टैरिफ–2024 में एक कॉल में 50 फीसदी से घटकर 18 फीसदी। यही दोहरा खेल अमेरिका रूस के साथ भी खेल रहा है–पुतिन से दोस्ताना संवाद और साथ ही यूक्रेन को गुप्त मदद। वर्ष 2025 में व्हाइट हाउस और क्रेमलिन के बीच हुई 'टेलीफोनिक डिप्लोमेसी' ने दिखाया कि मौखिक प्रतिबद्धताएं औपचारिक दस्तावेजों से अधिक प्रभावी हो गई हैं। अमेरिका वैसे तो पाकिस्तान को आतंकवाद पर कोसता है, लेकिन 2024दृ25 में उसे 2.5 अरब डॉलर की सहायता भी दी। भारत को सीमित रखने का यही तरीका है। चीन को रोकने के लिए भारत जरूरी है, फिर भी पाकिस्तान को मोहरे की तरह जीवित रखा जाता है। यह दोहरा रवैया बताता है कि सिद्धांतों की जगह केवल रणनीतिक उपयोगिता बची है। मित्र और मोहरा–दोनों एक साथ। नयी वैश्विक व्यवस्था के तहत दोहरे खेल की एक और मिसाल यह कि ताइवान को 2025 में 14 अरब डॉलर का हथियार पैकेज मिला, लेकिन इसे बीजिंग से सौदेबाजी का औजार बताया गया। सवाल है, क्या अमेरिका सैनिकों को 9,500 मील दूर भेजेगा? जब सुरक्षा गारंटी भी सौदेबाजी का हिस्सा बन जाए, तो पुरानी लक्ष्मण रेखाएं मिट जाती हैं। यह दिखाता है कि महाशक्ति भी अब अपने वादों को लाभ–हानि के तराजू पर तौल रही है। नया दौर मिनिलैटरलिज्म का है। संयुक्त राज्य अमेरिका, जो नियम–आधारित व्यवस्था का वास्तुकार था, अब खुद बहुपक्षवाद से पीछे हट चुका है। क्वाड, ऑकस और आई2यू2 जैसे छोटे, लचीले समूह उभरे हैं। साल 2024 में ऑस्ट्रेलिया ने ऑकस के तहत परमाणु पनडुब्बी समझौते को आगे बढ़ाया, जबकि आई2यू2 ने खाद्य सुरक्षा पर सहयोग किया। यह 'मिनिलैटरलिज्म' बताता है कि बड़ी संधियों की जगह छोटे–छोटे गठजोड़ ही भविष्य है। भारत इस तरल यानी निरंतर बदलते माहौल में बहु–संरेखण का उदाहरण है। यह रणनीति मल्टी अलाइनमेंट की है। भारत ब्रिक्स और एससीओ में सक्रिय है, साथ ही क्वाड का स्तंभ भी। रूस से ऐतिहासिक संबंध बनाए रखते हुए अमेरिका के टैरिफ और पाकिस्तान नीति को संतुलित करता है। साल 2024दृ25 में भारत ने रूस से तेल आयात बढ़ाया, साथ ही अमेरिका से रक्षा सहयोग भी गहरा किया। यह रणनीतिक हेजिंग भारत की संप्रभुता का नया मानक है। बीते दौर के संस्थागत किले कठोर थे, पर टिकाऊ थे। वहीं आज की निहित सहनशीलता नाजुक है–किसी गलत गणना से ढह सकती है। साल 2024 में गाजा युद्ध और 2025 में यूक्रेन मोर्चे पर बढ़ते तनाव ने दिखाया कि मानवीय पीड़ा अब स्वीकार्य कीमत बन गई है। नीति–निर्माताओं के लिए चुनौती अब नए किलों के निर्माण की नहीं, बल्कि इस लेन–देनवादी राजनीति को दीर्घकालिक संयम में बदलने की है।

ग्रीन हाइड्रोजन निर्यात का वैश्विक केंद्र बनने की भारत की पहल अपार संभावनाएं रखती है। यह इटली की नवीकरणीय ऊर्जा अवसंरचना में उन्नत तकनीक और यूरोप के लिए ऊर्जा प्रवेश द्वार के रूप में उसकी रणनीतिक भूमिका के साथ पूरी तरह मेल खाती है। भारत की अगुवाई वाली प्रमुख पहलों अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन और ग्लोबल ...

इंडो–भूमध्यसागरीय क्षेत्र हेतु एक रणनीतिक साझेदारी

हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत व इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि–खाद्य क्षेत्र और पर्यटन आदि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। भारत और इटली के संबंध अब निर्णायक दौर में पहुंच चुके हैं। हाल के वर्षों में इन रिश्तों में अभूतपूर्व विस्तार हुआ है। यह संबंध केवल सौहार्दपूर्ण मित्रता तक सीमित नहीं रहे, बल्कि अब स्वतंत्रता–लोकतंत्र के मूल्यों तथा भविष्य के साझा दृष्टिकोण आधारित एक विशेष रणनीतिक साझेदारी में बदल चुके हैं। बदलाव के दौर से गुजरती दुनिया में इटली व भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब उस व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों की सभ्यतागत विरासत शामिल है। हमारा सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि–सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें। इसी उद्देश्य से हमने विपक्षीय संबंधों को और गहरा बनाने का संकल्प लिया है, ताकि बेहतर उपयोग हो सके। हम इटली की डिजाइन क्षमता, विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीककृजो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती हैकृको भारत की तेज आर्थिक वृद्धि,

इंजीनियरिंग प्रतिभा, व्यापक क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट–अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर शक्तिशाली तालमेल बनाना चाहते हैं। यह ऐसा साझा मूल्य निर्माण है, जिसमें दोनों देशों की औद्योगिक ताकतें एक–दूसरे को अधिक मजबूत बनाती हैं। यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार व निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। हमारा लक्ष्य 2029 तक भारत व इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि–खाद्य क्षेत्र और पर्यटन आदि क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। उत्कृष्टता का प्रतीक 'मेड इन इटली' और आज इसका स्वाभाविक तालमेल 'मेक इन इंडिया' पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई देता है। इसी संदर्भ में, भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि व इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी, जो अब दोनों पक्षों को मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, सकारात्मक संकेत है। यह सप्लाई चेन के एकीकरण को मजबूत करेगी। तकनीकी नवाचार हमारी साझेदारी का महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेजी से बढ़ता नवाचार तंत्र, कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमताकृइन क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है। दोनों देशों के वि.वि. शोध संस्थानों के बीच बढ़ती साझेदारी इसे मजबूती देगी। भारत का डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई) पहले से ही दुनिया के कई देशों, खासकर ग्लोबल साउथ के देशों के लिए आकर्षण का केंद्र बना है। विशेष रूप से एआई आज हमारे समाज और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव डाल रही है। इटली और भारत सहयोग कर रहे हैं, ताकि एआई का विकास जिम्मेदार और मानव–केंद्रित हो। भारत–इटली एआई को समावेशी विकास का सशक्त माध्यम मानते हैं। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर तथा सरल, बहुभाषी तकनीकों के माध्यम से एआई सामाजिक और डिजिटल खाइयों को कम कर सकता है। भारत के मानव विजन यानी तकनीक के केंद्र में मानव को रखने की सोच और इटली की मानव–केंद्रित 'एल्गोर–एथिक्स' की अवधारणा, जो मानवतावादी परंपरा पर आधारित है, पर आगे बढ़ते हुए हमारी साझेदारी का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एआई सामाजिक सशक्तीकरण का माध्यम बने। हमारा दृष्टिकोण भारत की विशाल डिजिटल क्षमता को इटली की नैतिक और औद्योगिक विशेषज्ञता के साथ जोड़ता है, ताकि तकनीक मानव गरिमा की सेवा कर सके। सुरक्षित डिजिटल सहयोग, क्षमता निर्माण और मजबूत साइबर ढांचे से जुड़ी श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों को साझा करके, हम एक ऐसा खुला, भरोसेमंद और समान डिजिटल वातावरण बनाना चाहते हैं, जिसमें हर देश एआई का उपयोग कर सके और उससे लाभ उठा सके। यही सोच इटली की जी–7 अध्यक्षता और 2026 में नई दिल्ली में आयोजित एआई इम्पैक्ट समिट के निष्कर्षों का मुख्य आधार है। यह बताना कि तकनीक न तो मनुष्य की जगह ले सकती है और न ही उसके मूल अधिकारों को कमजोर कर सकती है। इसका उपयोग लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं में हस्तक्षेप हेतु न हो। अंतरिक्ष अनुसंधान और सैटेलाइट तकनीक में भारत की उल्लेखनीय प्रगति तथा इटली की एयरोस्पेस इंजीनियरिंग में उत्कृष्टता, संयुक्त परियोजनाओं और नई पीढ़ी की तकनीकों के विकास के लिए बड़े अवसर प्रदान करती है। इटली और भारत रक्षा, सुरक्षा और रणनीतिक तकनीकों आदि में सहयोग को मजबूत करना चाहते हैं। हमारा सहयोग महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा आतंकवाद, अंतर्राष्ट्रीय अपराध नेटवर्क, मादक पदार्थों की तस्करी, साइबर अपराध व मानव तस्करी जैसी चुनौतियों के खिलाफ मजबूती बढ़ाएगा। दुनिया में ऊर्जा के विविध स्रोतों की ओर बढ़ रहे बदलाव के लिए नवाचार, निवेश और सहयोग की आवश्यकता है। भारत और इटली नवीकरणीय ऊर्जा से लेकर हाइड्रोजन तकनीक व स्मार्ट ग्रिड से लेकर मजबूत बुनियादी ढांचे तक कई क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

आईपीएल प्लेऑफ में टॉप 2 की जंगः सीएसके से भिड़ेगी गुजरात टाइटंस , नेट रन रेट पर टिकी निगाहें

प्लेऑफ में पहले ही अपनी जगह सुरक्षित कर चुकी गुजरात टाइटंस की टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के मैच में अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखकर शीर्ष दो में जगह पक्की करने के इरादे से मैदान पर उतरेगी। लीग चरण में शीर्ष दो स्थानों पर रहने वाली टीम को फाइनल में पहुंचने के दो अवसर मिलते हैं। गुजरात टाइटंस अभी 16 अंक लेकर तालिका में दूसरे स्थान पर काबिज है।

रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (18 अंक) पहले स्थान पर है। इन दोनों के अलावा सनराइजर्स हैदराबाद (16 अंक) भी शीर्ष दो में जगह बनाने की दौड़ में है। इन तीनों टीम ने पहले ही प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई कर लिया है। अगर गुजरात टाइटंस सीएसके की खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करता है तो वह रॉयल चौलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के (1.065) नेट रन रेट से भी आगे निकल सकता है। अगर सनराइजर्स अपने आखिरी लीग मैच में आरसीबी को हरा देता है तो पहले दो स्थान के लिए फैसला नेट रन रेट के आधार पर होगा। अभी गुजरात टाइटंस का नेट रन रेट (0.400) है जो सनराइजर्स (0.350) से बेहतर है। पिछले मैच में सनराइजर्स के हाथों हार के कारण सीएसके की प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें लगभग खत्म हो गई हैं।

ऐसे में पांच बार की पूर्व चौंपियन सीएसके सत्र के अपने संभावित अंतिम मैच में प्रतिष्ठा बचाने की कोशिश करेगी। रुतुराज गायकवाड़ की अगुवाई वाली टीम टूर्नामेंट से बाहर होने की कगार पर है और प्लेऑफ में अंतिम स्थान के लिए दावेदारी में बने रहने के लिए उसे गुजरात के खिलाफ जीत के साथ अन्य मैचों के परिणाम भी अपने अनुकूल रहने के लिए प्रार्थना करनी होगी। नरेन्द्र मोदी स्टेडियम की पारंपरिक रूप से बल्लेबाजों के लिए अनुकूल पिच पर होने वाले इस मुकाबले से पहले टाइटन्स के कप्तान शुभमन गिल और उनके सलामी जोड़ीदार साई सुदर्शन शानदार फॉर्म में हैं। सीएसके के गेंदबाजों के लिए उन पर अंकुश लगाना बड़ी चुनौती होगी। बीच के ओवरों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिल सकता है जिसमें गुजरात टाइटंस के स्टार स्पिनर राशिद खान सीएसके की मजबूत बल्लेबाजी पंक्ति की परीक्षा लेंगे।

गिल, जोस बटलर और सुदर्शन गुजरात की बल्लेबाजी को मजबूती प्रदान करते रहेंगे। गुजरात के मध्य क्रम में हालांकि निरंतरता का अभाव है और ऐसे में चेन्नई के बाएं हाथ के स्पिनर अकील हुसैन उन पर दबाव बनाने की कोशिश करेंगे। दोनों टीम का एक दूसरे के खिलाफ रिकॉर्ड अभी 4–4 से बराबर है। हालांकि गुजरात ने इस सत्र के शुरू में चेपॉक में चेन्नई को आठ विकेट से हराया था। पिछले मुकाबले में कैगिसो रबाडा ने तीन विकेट लेकर सीएसके के शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया था। सीएसके के लिए यह बेहद जरूरी है कि गायकवाड़ और संजू सैमसन उनके शुरुआती स्पेल में टिके रहें।

टीम इस प्रकार हैः चेन्नई सुपर किंग्सः रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), डेवाल्ड ब्रेविस, एमएस धोनी (विकेटकीपर), कार्तिक शर्मा (विकेटकीपर), सरफराज खान, उर्विल पटेल (विकेटकीपर), संजू सैमसन (विकेटकीपर), अमन खान, शिवम दुबे, डियान फॉरेस्टर, जैक फॉल्क्स, अंशुल कंबोज, मैकनील नोरोन्हा, मैथ्यू शॉर्ट, प्रशांत वीर, राहुल चाहर, श्रेयस गोपाल, गुरजापनीत सिंह, मैट हेनरी, अकील हुसैन, स्पेंसर जॉनसन, आकाश मधवाल, मुकेश चौधरी, नूर अहमद, कुलदीप यादव। गुजरात टाइटंसः शुभमन गिल (कप्तान), अनुज रावत (विकेटकीपर), अरशद खान, अशोक शर्मा, जोस बटलर (विकेटकीपर), कॉनर एस्टरहुइजन, गुरनूर बराड़, जेसन होल्डर, कुलवंत खेजरोलिया, कुमार कुशाग्र, मोहम्मद सिराज, ग्लेन फिलिप्स, प्रसिद्ध कृष्णा, कैगिसो रबाडा, राशिद खान, साई किशोर, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, ईशांत शर्मा, निशांत सिंधु, मानव सुथार, राहुल तेवतिया, वाशिंगटन सुंदर, ल्यूक वुड, जयंत यादव। मैच शुरू होने का समयरू भारतीय समयानुसार शाम 7.30 बजे।

रियान पराग का आईपीएल कमेंटेटर पर पलटवार, बोले– निजी हमलों की जगह क्रिकेट पर करें बात

राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने आईपीएल के दौरान निजी तौर पर उनको निशाना बनाने वाले टीवी कमेंटेटरों और विशेषज्ञों पर पलटवार करते हुए उनसे खिलाड़ियों का सम्मान करने और क्रिकेट के बारे में बात करने तक ही सीमित रहने का आग्रह किया। रॉयल्स की मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) पर जीत के बाद पराग ने मैदान से बाहर के मुद्दों को लेकर उनकी आलोचनाओं पर निराशा व्यक्त की। इसमें ड्रेसिंग रूम में वेपिंग (ई–सिगरेट का सेवन) करते हुए पकड़े जाना भी शामिल है। पराग हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण लखनऊ के खिलाफ नहीं खेले थे।

पराग ने रॉयल्स की लखनऊ के खिलाफ सात विकेट की जीत के बाद पत्रकारों से कहा, ''आईपीएल में इस साल बाहर भी बहुत कुछ हो रहा है। मुझे लगता है कि पूरा देश क्रिकेट को बहुत पसंद करता है। हम

खिलाड़ी जब भी मौका मिलता है अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने की कोशिश करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''हम दर्शकों की अपेक्षाओं के अनुरूप प्रदर्शन करते हैं। इसलिए, मुझे लगता है कि हम सभी को क्रिकेट से प्यार करना चाहिए और इसे एक ही नजरिए से देखना चाहिए। खिलाड़ी बहुत मेहनत कर रहे हैं। अगर कोई टीम 75 या 80 रन पर आउट हो जाती है, तो यह कहना बहुत आसान होता है कि उन्हें खेलना नहीं आता या उनके पास खेलने की मानसिकता नहीं है।''

पराग ने कहा, ''लेकिन उस मैच से पहले इसकी तैयारी के लिए तीन चार दिन का समय मिलता है कि हम कैसे 200 से 250 रन बना सकें। कभी–कभी ऐसा नहीं हो पाता। हम भी इंसान हैं और हमसे भी गलतियां होती हैं। इसलिए मुझे लगता है कि बाहर जो कुछ भी हो रहा है, विशेषकर कमेंटेटर जिस तरह की टिप्पणी कर रहे हैं, मैं उनसे आग्रह करता हूं किवे क्रिकेट से प्यार करें। क्रिकेट की बात करें।'' पराग को श्रीलंका में होने वाली त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए इंडिया ए का उप–कप्तान बनाया गया है। इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने कहा कि यह देश क्रिकेट को चाहता है और इसका सम्मान किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''यह खेल देश का सबसे महत्वपूर्ण खेल है। इसमें हम सर्वश्रेष्ठ हैं। मुझे लगता है कि इसके प्रति थोड़ा सम्मान का व्यवहार किया जाना चाहिए। हमें केवल क्रिकेट के बारे में बात करनी चाहिए। हमें किसी और चीज के बारे में बात नहीं करनी चाहिए।''

उन्होंने कहा, ''पिछले चार वर्षों से आप जो कहते आ रहे हैं, उससे मुझे एक बात समझ में आई है कि मैं कुछ भी करूं बातें तो होती ही रहेंगी। मैंने यह भी समझ लिया है कि जो भी बातें हो रही हैं, उनका मेरे खेल, मेरी फॉर्म या मेरी मानसिकता पर कोई असर नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि कीबोर्ड पर बैठकर आलोचना करने वाले लोग बाहरी हैं।'' पराग ने कहा कि युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी की एलएसजी के खिलाफ 38 गेंदों में 10 छक्के और सात चौकों की मदद से खेली गई 93 रन की पारी उनकी 'सर्वश्रेष्ठ पारी' थी। उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि यह उसकी सर्वश्रेष्ठ पारी थी। उसने अपना समय लिया। उसने मयंक (यादव) की गेंद पर कवर के ऊपर से पहला बड़ा शॉट खेला। इससे वास्तव में मुझे काफी संतुष्टि मिली और यह समझ आया कि भले ही वह उम्र में छोटा है लेकिन खेल की उसकी समझ कहीं अधिक बेहतर है।''

एलएसजी के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने भी सूर्यवंशी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि यह 15 वर्षीय खिलाड़ी जिस तरह से बल्लेबाजी करता है वह 'अद्भुत' है। उन्होंने कहा, ''अपने 35 साल के क्रिकेट करियर में मैंने कुछ बेहतरीन खिलाड़ी देखे हैं। किसी युवा खिलाड़ी को न केवल आज बल्कि पूरे टूर्नामेंट में इस तरह बल्लेबाजी करते देखना, वाकई अद्भुत है।

दोस्ती सम्मान पर निर्भर...गंगा के पानी को लेकर भारत–बांग्लादेश में फिर छिड़ा बवाल

भारत बांग्लादेश के रिश्तों में लगातार उठापटक की स्थिति बनी हुई है। कभी सीमा को लेकर तमाम तरह की टीका टिप्पणियां, तो कभी पानी को लेकर विवाद। एक तरफ जहां बांग्लादेश यह चाहता है कि दशकों पुरानी गंगाजल संधि को वापस से नए तौर पर लागू किया जाए और उसके लिए वह भारत पर लगातार दबाव बनाने की कोशिश कर रहा है। तो दूसरी तरफ बांग्लादेश में पद्मा बैराज प्रोजेक्ट को लेकर भी चर्चाएं तेज है। हाल ही में बांग्लादेश सरकार ने पद्मा नदी पर एक मेगा बैराज परियोजना के निर्माण को मंजूरी दी। इसे

लेकर अब बांग्लादेश की संसद के डिप्टी स्पीकर का कहना है कि भारत और बांग्लादेश अच्छे दोस्त हैं। ये दोस्ती आगे भी जारी रहेगी लेकिन ये दोस्ती सम्मान पर निर्भर करती है।

बांग्लादेश के डिपुटी स्पीकर का कहना है कि जिस तरह से बांग्लादेश ने पद्मा बैराज को लेकर ऐलान किया उससे देश की जनता उत्साहित है। यानी कि उनका यह कहना है कि फैसला सही है। बांग्लादेश में गंगा नदी को ही पद्मा कहा जाता है। बांग्लादेश का कहना है कि इस बैराज का निर्माण पश्चिम बंगाल में स्थित भारत के फरक्का बैराज के नकारात्मक प्रभाव को बेअसर करने के लिए किया जा रहा है। बांग्लादेश के लिए फरा का बैराज हमेशा से एक संवेदनशील और विवादित मुद्दा रहा। बांग्लादेश की तरफ से गाहे बगाहे आरोप लगाया जाता रहा कि इस बैराज के कारण सूखे के मौसम में पानी का प्रवाह कम हो जाता है। जिससे बांग्लादेश के तटीय क्षेत्रों में खारे पानी की घुसपैठ बढ़ गई है। इससे विपरीत भारत हमेशा यह कहता आया है कि साल 1972 में फरक्का बैराज को इसलिए चालू किया गया ताकि हुगली नदी में पानी का रुख मोड़कर कोलकाता बंदरगाह को सुरक्षित रखा जा सके।

विराट कोहली ने खोला अपने कमबैक का राज, बताया कैसे राहुल द्रविड ने मुश्किलों से निकाला

भारतीय क्रिकेट के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने स्वीकार किया है कि भारत की कप्तानी छोड़ने के बाद वह मानसिक रूप से कठिन और परेशान करने वाले दौर से गुजर रहे थे, लेकिन उन्होंने पूर्व मुख्य कोच राहुल द्रविड़ और बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौर का आभार व्यक्त किया, जिनकी मदद से उन्हें फिर से क्रिकेट का आनंद लेने में सहायता मिली। कोहली ने 2022 में कप्तानी छोड़ी थी और उसी वर्ष टेस्ट क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षाकृत कमजोर रहा था। उन्होंने छह टेस्ट मैच में सिर्फ एक अर्धशतक की मदद से 265 रन बनाए थे। इस दौरान उनका औसत 26.5 रहा था।

द्रविड़ ने नवंबर 2021 में मुख्य कोच और विक्रम राठौर ने बल्लेबाजी कोच के रूप में भारतीय टीम की जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने कोहली में फिर से जोश जगाया और संघर्ष कर रहे इस बल्लेबाज को खराब दौर से निकलने में मदद की। उन्होंने कहा, "कप्तानी छोड़ने के बाद ही मैंने राहुल भाई और विक्रम राठौर जैसे लोगों से खुलकर बातचीत की और बहुत कुछ साझा किया। 2023 में टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन शानदार रहा और जब भी मैं उनसे मिलता

हूं, मैं दिल से उनका शुक्रिया अदा करता हूं।" उन्होंने 'आरसीबी इनोवेशन लैब' के 'इंडियन स्पोर्ट्स समिट' के तीसरे सत्र के दौरान कहा, "उन्होंने (द्रविड़ और राठौर) मेरा इस तरह ख्याल रखा कि मुझे लगा कि मैं उनके लिए खेलना चाहता हूं। मैं प्रदर्शन करना चाहता हूं। मैं मैदान पर उतरकर जी–जान से मेहनत करना चाहता हूं। वे बहुत ही मददगार थे। उन्होंने मुझे एहसास दिलाया कि मैंने अब तक क्या हासिल किया है।" भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि द्रविड़ और राठौर उनके मन की अंदरूनी परेशानियों को समझते थे और उन्हें उनसे उबरने का रास्ता दिखाया। उन्होंने कहा, "राहुल भाई ने टेस्ट क्रिकेट में कई लोगों से कहीं बेहतर तरीके से यह काम किया है। विक्रम कई सालों से मेरे साथ हैं, इसलिए वे मेरी भावनाओं को समझते थे और मेरी स्थिति का एहसास था। उन्होंने मानसिक रूप से मेरा बहुत ख्याल रखा।" उन्होंने कहा, "इससे मुझे ऐसी स्थिति मिली जहां मैं फिर से क्रिकेट का आनंद ले सका। लेकिन जब मैं पूरी तरह से व्यस्त था, तब मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मैं चाहता हूं कि कोई मुझसे पूछे। मैं सब कुछ संभालने में काफी सक्षम था।" द्रविड़ की कोचिंग में कोहली ने 2023 में शानदार प्रदर्शन करते हुए आठ टेस्ट मैचों में 671 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत 56 रहा, जो उनकी वापसी का स्पष्ट संकेत था।

कोहली ने यह भी माना कि कप्तानी के दौरान वे धीरे–धीरे अपने भीतर की ऊर्जा खोते चले गए, जिसका उन्हें तब एहसास नहीं हुआ। उन्होंने कहा, "मैं ऐसी स्थिति में पहुंच गया जहां मैं हमारी बल्लेबाजी इकाई और कप्तानी का केंद्र बिंदु बन गया। मुझे इस बात का एहसास नहीं था कि ये दोनों चीजें मेरे दैनिक जीवन में कितना भार डालेंगी, क्योंकि मैं भारतीय क्रिकेट को शीर्ष पर बनाए रखने के लिए इतना दृढ़ संकल्पित और प्रेरित था।" कोहली ने स्वीकार किया, "जब मैंने कप्तानी छोड़ी, तब तक मैं पूरी तरह थक चुका था। यह जिम्मेदारी मुझे भीतर तक खा गई थी। यह बेहद कठिन और थकाने वाला अनुभव था, और अपेक्षाओं का बोझ संभालना लगातार मुश्किल होता गया।

नेशनल मेडलिस्ट अंकित और जयेश पाटिल डोप टेस्ट में फेल, नाडा ने लगाया प्रतिबंध

सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के अंकित और रेलवे के जयेश पाटिल पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने तीन

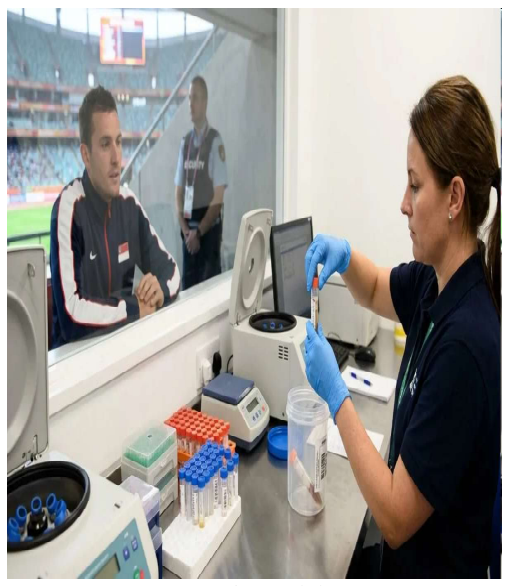

साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों का परीक्षण प्रतिबंधित पदार्थ 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। अंकित ने 69वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चौंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि पाटिल इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे।

दोनों एथलीटों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया जिसके चलते उनके प्रतिबंध की अवधि में एक साल की कटौती कर दी गई। यह प्रतिबंध अंकित के लिए 25 फरवरी से और पाटिल के लिए 27 फरवरी से लागू हो गया है।

बीस वर्षीय पाटिल 2024 जूनियर राष्ट्रीय चौंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज के रजत पदक विजेता भी हैं। दोनों एथलीट का टेस्ट 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। यह पदार्थ विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल है।

नॉर्वे के अखबार की घटिया हरकत, पीएम मोदी को सपेरे के रूप में दिखाया, जानें क्या-क्या लिखा?

नॉर्वे के एक प्रमुख समाचार पत्र को बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सपेरे के रूप में दर्शाने वाला नस्लवादी कार्टून प्रकाशित करने के बाद भारी विरोध का सामना करना पड़ा। नॉर्वे यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछने की कोशिश करने वाले एक पत्रकार को लेकर उठे राजनीतिक विवाद के बीच समाचार पत्र पर पश्चिमी रूढ़ियों को बढ़ावा देने का आरोप लगाया गया। आफटेनपोस्टेन अखबार ने अपने चित्र में प्रधानमंत्री मोदी को एक सांप वश में करने वालेश के रूप में दिखाया है, जिसमें एक पेट्रोल पंप की पाइप को सांप के रूप में दर्शाया गया है। इस चित्र का उपयोग एक चालाक और थोड़ा परेशान करने वाला आदमीष शीर्षक वाले एक लेख के लिए किया गया था। यह कार्टून अखबार द्वारा नॉर्वे में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेस कॉन्फ्रेंस को लेकर हुए विवाद के बाद प्रकाशित किया गया था, जिसमें नॉर्वेजियन पत्रकार हेले लिंग ने सार्वजनिक रूप से प्रधानमंत्री से पूछा था कि उन्होंने मीडिया के सवालों का जवाब क्यों नहीं दिया। इस बात का कोई संकेत नहीं है कि प्रधानमंत्री ने इस टिप्पणी का जवाब दिया या इसे सुना।

पीएम मोदी के कार्टून पर भड़का भारी आक्रोशः इस कार्टून ने सोशल मीडिया पर गुस्से की एक लहर पैदा कर दी है। बड़ी संख्या में यूजर्स ने इसकी कड़ी निंदा करते हुए इसे नस्लवादी करार दिया है। लोगों का तर्क है कि यह कार्टून औपनिवेशिक काल की उन पुरानी और घिसी–पिटी रूढ़ियों को बढ़ावा देता है, जो भारत को केवल सपेरों के देश के रूप में पेश करती थीं। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक यूजर ने लिखा, यह पत्रकारिता नहीं है। यह टिप्पणी के रूप में पेश किया गया औपनिवेशिक काल का नस्लवाद है। वे भारत के उभार को पचा नहीं पा रहे हैं, इसलिए वे उन्हीं पुरानी रूढ़ियों का सहारा ले रहे हैं जो उनके दादा–पड़दादा इस्तेमाल करते थे। हर बार इनका असली चेहरा सामने आ ही जाता है। जनता ने संबंधित समाचार पत्र की भी तीखी आलोचना की और कहा कि यह तस्वीर पूरी तरह से जेनोफोबिक विदेशी लोगों के प्रति द्वेष रखने वाली) है और भारत के साथ–साथ देश के निर्वाचित नेता का घोर अपमान है। एक्स पर प्रद्युम्न नाम के एक अन्य यूजर ने लिखा, ष्यह कार्टून खुले तौर पर नस्लवादी है। इसमें सबसे बड़ी विडंबना यह है कि पीएम मोदी अक्सर बात करते थे कि कैसे पहले दुनिया भारत को ष्सपेरों की भूमिश समझती थी। और अब, उनकी ओस्लो यात्रा के दौरान, एक बड़े यूरोपीय अखबार ने उन्हें ठीक उसी रूप में चित्रित किया है। यूरोपीय लोग अभी भी अपनी औपनिवेशिक कल्पनाओं से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, बेहद निराशाजनक। कई अन्य इंटरनेट यूजर्स ने भी अखबार की कड़ी आलोचना की और इस विचार का समर्थन किया कि पश्चिमी अभिजात वर्ग के मीडिया में औपनिवेशिक अहंकार अभी भी कायम है। इसी तरह का विवाद 2022 में तब सामने आया जब एक स्पेनिश अखबार ने भारत के बढ़ते आर्थिक प्रभाव पर रिपोर्टिंग करते हुए ष्सांप वश में करने वालेष की छवि का इस्तेमाल किया, जिससे देश से जुड़ी पुरानी रूढ़ियों को दोहराने के लिए आलोचना हुई। प्रधानमंत्री मोदी स्वयं पहले भी वैश्विक मंचों पर ऐसी धारणाओं के बारे में बात कर चुके हैं। 2014 में अमेरिका के मैडिसन स्क्वायर गार्डन में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने कहा था कि भारत अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ष्सांप वश में करने वालोंष के देश के रूप में देखे जाने से बदलकर डिजिटल युग में अपनी तकनीकी दक्षता और ष्चूहे वश में करने वालोंष के रूप में जाना जाने वाला देश बन गया है। तब से उन्होंने कई अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में इसी तरह की टिप्पणियां दोहराई हैं।

सेंट्रल एकेडमी में समर कैंप का हुआ समापन, बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

बाराबंकी। सेंट्रल एकेडमी विद्यालय में चल रहे 8 दिवसीय समर कैंप का समापन हो गया। समर कैंप में नर्सरी से कक्षा 2 तक करीब 100 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें बच्चों को योगा, डांस, आर्ट एंड क्राफ्ट, मैथड ऑफ कलरिंग सिखाया गया। इस दौरान बच्चों को मूवी भी दिखाई गयी। इसी श्रृंखला में फायर लेस फूडिंग प्रीतियोगिता भी कराई गयी। यह शिविर बच्चों के लिए सीखने, रचनात्मकता, टीम वर्क और असीम आनंद से भरपूर रहा।

समापन के अवसर पर बच्चों को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए पुरस्कृत किया गया, और उनकी प्रेरणा को बढ़ाने के लिए विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय की प्रधानाचार्या संचिता श्रीवास्तव ने सभी बच्चों को बधाई दी, और बताया कि इस अभियान से बच्चों में न केवल शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ी है, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी प्रगति की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बढ़ा चुका है।

घायल महिला की उपचार दौरान मौत

फतेहपुर। विगत बीस दिन पूर्व पंजाब के लुधियाना में जीने से गिरकर 21 वर्षीय महिला घायल हो गई थी। जिसे परिजन उठाकर घर ले आए जहां इलाज के दौरान शाम उसकी मौत हो गई। बताते चलें कि गाजीपुर थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गांव निवासी सज्जन अपनी पत्नी काजल व परिवारीजनों के साथ पंजाब के लुधियाना में मजदूरी करता है। बताते हैं कि 28 अप्रैल को उसकी पत्नी छत पर किसी काम से गई थी। तभी जीने से गिरकर घायल हो गई थी। कुछ दिन लुधियाना में इलाज कराने के बाद उसे लेकर गांव आ गए जहां घर पर ही इलाज किया जा रहा था। शाम उसने दम तोड़ दिया। सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

किशोरी समेत दो ने खाया जहरीला पदार्थ

फतेहपुर। जनपद के अलग–अलग थाना क्षेत्रों के अंतर्गत किशोरी समेत दो लोगों ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां किशोरी की हालत गंभीर बनी है। जानकारी के अनुसार राधानगर थाना क्षेत्र के उमरी गांव निवासी मुकेश की 13 वर्षीय पुत्री साक्षी देवी ने सुबह मां प्रिया देवी की डांट से क्षुब्ध होकर जहरीला पदार्थ खा लिया। इसी प्रकार मलवां थाना क्षेत्र के भैसौरा गांव निवासी ओम प्रकाश का 18 वर्षीय पुत्र आशीष कुमार ने जान देने के इरादे से डाई पी लिया। कुछ देर बाद जब दोनों की हालत बिगड़ने लगी तो परिजनों ने उन्हें सरकारी एंबुलेंस से उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां किशोरी की हालत गंभीर बनी हुई है।

सड़क हादसों में मां–बेटा समेत चार घायल

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के अलग–अलग स्थानों पर सुबह हुए सड़क हादसों के दौरान मां बेटा व पुत्री सहित चार लोग घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार असोथर थाना क्षेत्र के भोनीपुर गांव निवासी छोटेलाल का 25 वर्षीय पुत्र पवन कुमार अपनी 50 वर्षीय मां गीता व 30 वर्षीय बहन किरन पत्नी सुनील निवासी मझटेनी खागा के साथ बाइक से शहर किसी काम से आ रहे थे। जैसे ही ये लोग कोतवाली क्षेत्र के लोधीगंज एनएच–2 पर पहुंचे तभी अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से टकरा गई। जिससे तीनों घायल हो गए। इसी प्रकार औंग कस्बा निवासी हसीन की 25 वर्षीय पत्नी आलिया पति के साथ बाइक से रिश्तेदारी में जा रही थी। जैसे ही ये लोग एआरटीओ कार्यालय के समीप पहुंचे तभी अचानक चलती बाइक से महिला गिर कर घायल हो गई। सूचना पर पहुंची सरकारी एंबुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

दबंगों पर मारपीट का आरोप, पीड़िता ने एसपी से लगाई गुहार

फतेहपुर। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम कौंडर निवासी एक महिला ने गांव के कुछ लोगों पर उसके देवर और उसके साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। पीड़िता का आरोप है कि घटना की सूचना तत्काल पुलिस को देने के बावजूद न तो मेडिकल कराया गया और न ही मुकदमा दर्ज किया गया। ग्राम कौंडर निवासी मन्जू देवी पत्नी चन्द्रशेखर ने पुलिस अधीक्षक को दिए शिकायती पत्र में बताया कि चार फरवरी की शाम करीब 4 बजे उसका देवर चन्द्ररेखन घर के बाहर छप्पर के नीचे बैठा था। आरोप है कि उसी दौरान गांव के ही कल्लू, लखन, सुजीत, नानबिट्टी, मोनू आदि एकराय होकर लाठी–डंडों से लैस होकर पहुंचे और चन्द्ररेखन को बेरहमी से मारने–पीटने लगे। शोर सुनकर जब मन्जू देवी बीच–बचाव करने पहुंची तो आरोपियों ने उसके साथ भी गाली–गलौज करते हुए लात–घूंसों और डंडों से मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि घटना के तुरंत बाद उसने डायल 112 पर सूचना दी, जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद वह थाने जाकर शिकायत भी दी, लेकिन आरोप है कि पुलिस ने न तो उसके देवर का मेडिकल कराया और न ही रिपोर्ट दर्ज की। मन्जू देवी ने आरोप लगाया कि घटना के बाद से आरोपी लगातार परिवार को धमका रहे हैं और रास्ता रोककर भय का माहौल बना रहे हैं। पीड़िता ने आशंका जताई कि आरोपी भविष्य में किसी बड़ी घटना को अंजाम दे सकते हैं। पीड़िता ने पुलिस अधीक्षक से मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए मेडिकल परीक्षण कराने तथा आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

बुद्ध का संदेश अखबार में छपे खबरों का डीएफओ ने लिया संज्ञान,हुई कार्यवाही

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के पंडरी . पाल वन रेंज क्षेत्र अन्तर्गत कटान को लेकर प्रकाशित खबरों को प्रभागीय वनाधिकारी गोन्डा अनुराग प्रियदर्शी ने लिया संज्ञान त्वरित कार्यवाही के निर्देशानुसार उपवनाधिकारी गोन्डा सुदर्शन और वन क्षेत्राधिकारी पंडरी .पाल सुशांत शुक्ला ने द्वारा जांचकर कार्यवाही कराते हुए अवैध कटे अन्य वृक्षों का प्रतिकर जमा कराया गया।यही नहीं पंडरी . पाल वन क्षेत्राधिकारी के द्वारा बने टीम के अनुसार वन उप क्षेत्राधिकारी इबरार ने लगातार एक के बाद एक कई अवैध कटे लकड़ियों के ट्रकों को भी निगरानी के दौरान मुखबिर खास की सूचना पर पकड़ा।इस लिए कहा जाता है कि ध्अगर विभाग चाहे तो परींदा भी पर नहीं मार सकताष पंडरी .पाल वन क्षेत्राधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि उच्च अधिकारियों के निर्देश पर उप वन क्षेत्राधिकारी इबरार के साथ टीम बनाकर लगातार चेकिंग अभियान चलाया गया।अभियान का मुख्य उद्देश्य था अवैध कटान को पकड़ना इसी क्रम में बुध के संदेश अखबार मे प्रकाशित खबर का भी संज्ञान लिया गया।खबर के अनुसार कटे सागौन वृक्षों की जांच कराई गई तो कुछ का परमिट बना था अन्य कुछ वृक्षों के कटने पर केस काटकर प्रतिकर वसूल किया गया।बीते दिनों चेकिंग अभियान में लकड़ी लदे दो ट्रको को भी पकड़ा गया।यह भी जानकारी दिया की उपवन क्षेत्राधिकारी इबरार और टीम के द्वारा दोनों ट्रकों को पंडरी .पाल वन रेंज कार्यालय लाकर भारी प्रतिकर वसूल किया तथा सख्त चेतावनी दी गई की अगर वन रेंज क्षेत्र पंडरी .पाल अन्तर्गत कहीं भी अवैध कटान होता है तो त्वरित कार्यवाही के साथ भारी भरकम जुर्माना और कानूनी कार्यवाही तय है।

करनैलगंज में भी अतिक्रमण हटाओ अभियान चल, गरजा बुलडोजर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद में मंगलवार को सरकारी कब्रिस्तान की जमीन पर अवैध कब्जे को को लेकर के बड़ी कार्रवाई की गई है। कर्नलगंज तहसील और जिलाय प्रशासन ने बुलडोजर चलाकर यहां पर अवैध कब्जा करके बनाए गए मकान और अस्थाई निर्माण को ध्वस्त कर दिया गया है।यह कार्रवाई करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र के सेहारिया कला गांव में की गई। इस दौरान तीन मकान और कुछ अस्थाई निर्माण ध्वस्त किए गए है।अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए करनैलगंज और जिला प्रशासन की टीम मौके पर मौजूद थी।कौड़िया,खरगूपुर और इटियाथोक समेत तीन थानों की पुलिस फोर्स की मौजूदगी में यह पूरी कार्रवाई शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुई।प्रशासन के अनुसार,अवैध कब्जा करने वालों को कई बार नोटिस जारी किए गए थे, लेकिन उन्होंने कब्जा नहीं हटाया।इन लोगों ने सरकारी जमीन पर अवैध रूप से मकान बनाकर कब्जा कर रखा था और अस्थाई निर्माण भी किए थे।कब्रिस्तान पर अवैध कब्जा होने से लोगों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था कई बार शिकायत की गई थी जहां शिकायत के आधार पर ही यह कार्रवाई हुई है। एसडीएम करनैलगंज नेहा मिश्रा ने बताया कि यह कब्रिस्तान की जमीन थी, जिस पर अवैध कब्जा किया गया था।उन्होंने कहा कि नोटिस के बावजूद कब्जा न हटाने पर यह कार्रवाई की गई। मिश्रा ने चेतावनी दी कि यदि दोबारा अवैध कब्जा किया गया तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों से स्वतः कब्जा हटाने की अपील भी की।

मकान पर अवैध कब्जे का आरोप,महिला ने आयुक्त से लगाई न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। जनपद के करनैलगंज कोतवाली क्षेत्र में संपत्ति विवाद का एक गंभीर मामला सामने आया है। एक महिला ने विपक्षियों पर फर्जी तरीके से मकान अपने नाम दर्ज करवाकर ताला तोड़कर कब्जा करने का आरोप लगाते हुए देवीपाटन मंडल के आयुक्त, जिलाधिकारी गोण्डा एवं पुलिस अधीक्षक को शिकायती प्रार्थना पत्र देकर जांच व कार्रवाई की मांग की है। कटरा बाजार थाना क्षेत्र के कौड़हा जगदीशपुर पूरे मोहम्मदपुर निवासी आमिना खातून पत्नी अहमदे मुख्तार खां ने अधिकारियों को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि उनकी माता मेहताब पत्नी स्वर्गीय फैय्याज खां निवासी कौड़हा जगदीशपुर परगना पहाड़ापुर तहसील करनैलगंज की मृत्यु हो चुकी है। उन्होंने जीवनकाल में प्रार्थिनी की सेवा–सुश्रुषा से प्रसन्न होकर 28 अप्रैल 2016 को अपनी चल एवं अचल संपत्ति के संबंध में एक पंजी.त वसीयतनामा प्रार्थिनी तथा उसकी बहन की पुत्री शहर बानों पुत्री उसमान के पक्ष में कराया था। प्रार्थिनी का आरोप है कि माता के निधन के बाद से

उनकी संपत्तियों पर उसका शांतिपूर्ण कब्जा व दखल था। इसी क्रम में कस्बा करनैलगंज के मोहल्ला सुक्खापुरवा स्थित मकान पर भी उसका कब्जा था। आरोप है कि विपक्षीगणों ने नगर पालिका करनैलगंज के कुछ कर्मचारियों से मिलीभगत कर उक्त मकान को फर्जी तरीके से अपने नाम दर्ज करवा लिया और उसकी गैरमौजूदगी में मकान का ताला तोड़कर अवैध कब्जा कर लिया। मामले में विपक्षी के रूप में सय्याद खां, गुलजार खां, मुख्तार खां, नूर अहमद एवं लुकमान खां पुत्रगण फैय्याज खां निवासी कौड़हा जगदीशपुर पूरे मोहम्मदपुर, थाना कटरा बाजार, जनपद गोण्डा को नामजद किया गया है। पीड़िता ने अधिकारियों से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने, नगर पालिका के कथित दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई करने तथा मकान से अवैध कब्जा हटवाकर विपक्षियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। फिलहाल मामला प्रशासनिक स्तर पर जांच के लिए पहुंच गया है।

सीएम योगी बढ़ाएंगे रोइंग खिलाड़ियों का उत्साह, करेंगे पुरस्कृत'

गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार (21 मई) को रोइंग के खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएंगे। वह यहां रामगढ़ताल में आयोजित जूनियर नेशनल चौंपियनशिप के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में शामिल होंगे। रोइंग के दो फाइनल इवेंट देखने के बाद विजेताओं को पुरस्कृत कर संबोधन के जरिये सभी खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। इसके पहले अक्टूबर 2024 में आयोजित सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप के समापन समारोह में भी खिलाड़ियों को मुख्यमंत्री का पाथेय प्राप्त हुआ था। रामगढ़ताल को वाटर स्पोर्ट्स का राष्ट्रीय प्लेटफार्म बनाने का श्रेय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को जाता है। विशाल ताल को निखारने के साथ ही उन्होंने इसके समीप 49 करोड़ रुपये की लागत वाले विश्व स्तरीय वाटर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स की भी सौगात दी है। इसी का नतीजा है कि यहां एक के बाद एक रोइंग की राष्ट्रीय प्रतियोगिताएं आयोजित हो रही हैं। यही नहीं, यहां एशियाड 2026 की तैयारी में जुटी रोइंग की राष्ट्रीय महिला टीम का प्रशिक्षण शिविर भी आयोजित हो चुका है। उत्तर प्रदेश रोइंग एसोसिएशन के सचिव सुधीर शर्मा (उपाध्यक्ष, रोइंग फेडरेशन ऑफ इंडिया) ने बताया कि रामगढ़ताल में वर्तमान समय मे चल रही जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप में मेजबान यूपी सहित 20 राज्यों की टीमों से 273 खिलाड़ी व पदाधिकारी प्रतिभाग कर रहे हैं। इसका समापन 21 मई, गुरुवार शाम को रहा है जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ विजेताओं को पुरस्कृत करेंगे।

स्पोर्ट्स का हब बन रहा रामगढ़ताल' '–' मई 2023 में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स की रोइंग प्रतियोगिता। '–' अक्टूबर 2024 में सब जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप का आयोजन। '–' एशियाड 2026 की तैयारी के लिए मार्च–अप्रैल माह में रोइंग की राष्ट्रीय महिला टीम के प्रशिक्षण शिविर का आयोजन। '–' 12 मई से 16 मई तक अस्मिता नेशनल महिला रोइंग लीग। '–' 17 मई से 21 मई तक 46वें जूनियर नेशनल रोइंग चौंपियनशिप का आयोजन।

नई आभा से निखरेंगे गोरखपुर के मुख्य मार्ग, होगा सौंदर्यीकरण

गोरखपुर, 20 मई। स्मार्ट सिटी गोरखपुर में सड़कों को चौड़ा करने के बाद योगी सरकार उनके सौंदर्य को निखारने की पहल कर रही है। गोरखपुर के मुख्य मार्ग अब नई आभा से निखर उठेंगे। इसके लिए मुख्य मार्गों के डिवाइडर पर थिमेटिक प्रतिमाओं की स्थापना कर उनका कलात्मक विकास किया जाएगा। इस नए प्रोजेक्ट का उद्देश्य राहगीरों और सैलानियों के मन में गोरखपुर की छवि को अविस्मरणीय बनाना है।मुख्य मार्गों के डिवाइडर के कलात्मक विकास की परियोजना को पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल पर मूर्त रूप दिया जाएगा। इस प्रोजेक्ट का प्रस्तुतिकरण मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समक्ष किया जा चुका है और नगर निगम बोर्ड में इस संबंध में प्रस्ताव पारित होने के बाद अब काम शुरू होने जा रहा है। एक माह में परियोजना आकार लेने लगेगी।महापौर डॉ. मंगलेश श्रीवास्तव बताते हैं कि गोरखपुर के मार्गों पर बने डिवाइडर का सौंदर्य अब केवल हरियाली तक सीमित नहीं रहेगा। अब उन्हें कलात्मक और सांस्कृतिक पहचान भी मिलेगी। डिवाइडर को थिमेटिक सांस्कृतिक रूप देने के लिए कहीं राष्ट्रीय प्रतीक चिन्ह और वाद्य यंत्रों की आकृतियां दिखाई देंगी तो कहीं योग मुद्राओं की प्रतिमाएं आकर्षण का केंद्र बनेंगी। इसके जरिये गोरखपुर शहर को आधुनिकता के साथ भारतीय संस्कृति तथा परंपरा से जोड़ा जाएगा। महापौर का मानना है कि आने वाले समय में गोरखपुर की सड़कें केवल यातायात का माध्यम नहीं बल्कि कला, संस्कृति और आधुनिक विकास का प्रतीक बनकर लोगों को आकर्षित करेंगी।परियोजना के अंतर्गत प्रमुख चौराहों व मार्गों पर थिमेटिक प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। इन प्रतिमाओं में संगीत, योग, अध्यात्म और भारतीय जीवनशैली की झलक देखने को मिलेगी। इससे न केवल शहर की सुंदरता बढ़ेगी बल्कि बाहर से आने वाले पर्यटकों और श्रद्धालुओं के मन में विकसित और व्यवस्थित गोरखपुर की सकारात्मक छवि भी बनेगी। सड़क किनारे आकर्षक लाइटिंग पहले से है। अब डिवाइडर पर हरियाली के बीच कलात्मक संरचनाओं के माध्यम से शहर को नया रूप दिया जाएगा। नगर के प्रवेश मार्गों और प्रमुख यातायात मार्गों को विशेष रूप से चिन्हित कर उनका सौंदर्यीकरण कराया जाएगा ताकि शहर में प्रवेश करते ही लोगों को आधुनिक और स्वच्छ गोरखपुर का अनुभव हो।प्रमुख मार्गों के डिवाइडर का थिमेटिक विकास करने के लिए चयनित संस्था इंडियन आर्ट एडवरटाइजिंग प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक कृष्ण मोहन बताते हैं कि काम शुरू करने से पहले विभिन्न विभागों की तरफ से जरूरी एनओसी (अनापत्ति प्रमाण पत्र) हासिल कर लिया गया है और एक माह में काम शुरू कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया कि डिवाइडर पर थिमेटिक प्रतिमाओं के साथ ही उसके आसपास बड़े पैमाने पर फूलों के पौधों को लगाकर खूबसूरती को और बढ़ाया जाएगा। संस्था परियोजना कार्य का कुल मिलाकर 30 वर्ष तक अनुरक्षण कार्य भी करेगी।

प्रथम चरण की कार्ययोजना'

–पैडलेगंज से नौका विहार मार्ग के डिवाइडर पर वाद्य यंत्रों की थीम की प्रतिमाएं लगाई जाएंगी। –असुरन चौराहा से लेकर गुलरिहा तक अध्यात्म और योग मुद्राओं की थीम वाली प्रतिमाओं को लगाया जाएगा।

–यातायात तिराहा से बरगदवा तक के डिवाइडर पर अध्यात्म थीम पर प्रतिमाओं से सजाया जाएगा।

–देवरिया बाईपास मार्ग (चिड़ियाघर मुख्य मार्ग) के डिवाइडर को एनिमल थीम पर विकसित किया जाएगा।

जन–जन से संवाद बनायेगी भाजपा –सत्येन्द्र सिंह 'भोलू'

बस्ती नगर। बुधवार को नगर बाजार स्थित नगर पंचायत अध्यक्ष कैम्प कार्यालय पर भाजपा बहादुरपुर मंण्डल की बैठक मण्डल अध्यक्ष विजयभान सिंह की अध्यक्षता में और मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह भोलू मण्डल प्रभारी मौजूदगी में सम्पन्न हुई। बैठक में आगामी 24 मई को सभी शक्तिकेन्द्र की बैठक और 31 मई को मन की बात सभी बूथों पर शत् प्रतिशत सुनने की रुप रेखा तैयार की गई।मुख्य अतिथि सत्येंद्र सिंह भोलू ने शक्ति केंद्र और बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि हम पहले हर बूथ पर अपने तेजतर्रार निष्ठावान कार्यकर्ता तैयार कर लें , उसके बाद हम उस बूथ के हर व्यक्ति से सीधे सम्पर्क में जुड़ेंगे। मण्डल के अध्यक्ष विजयभान सिंह ने कहा हमारे सभी बूथों की और शक्ति केंद्र की कमेटी तैयार कर लिया गया है और जहां छूटा है वह एक दो दिन में तैयार कर ली जायेगी।बैठक में श्रुति अग्रहरि,अनिल श्रीवास्तव, रविन्द्र प्रताप सिंह लाल, सतीश पांडेय, शारदा सिंह, प्रदीप सिंह, अयोध्या पांडेय,अजय श्रीवास्तव, लालजी, संजय पांडे, रामकृपाल यादव, बलवंत चौहान, विक्की,रन विजय गौतम सहित मण्डल के समस्त पदाधिकारी, शक्ति केंद्र अध्यक्ष और संजोयक तथा बूथ स्तरीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

एमजीयूजी में दूसरे चरण की प्रवेश परीक्षा सकुशल संपन्न'

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर (एमजीयूजी) में बुधवार को दूसरे चरण के अंतर्गत स्नातक, परास्नातक के विभिन्न पाठ्यक्रमों सहित पीएचडी प्रवेश के लिए परीक्षा दो पालियों में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। प्रवेश परीक्षा में कुल 4536 परीक्षार्थी शामिल हुए।बुधवार को बीएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी फॉरेंसिक साइंस, डीफार्म, बीफार्म, बीसीए, एमसीए, बीबीए, एमबीए, बीएससी मेडिकल माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, बीएससी बायोकेमिस्ट्री, बीएससी मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, एमएससी बायोकेमिस्ट्री, एमएससी मेडिकल बायोकेमिस्ट्री, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, एमएससी एग्रीकल्चर, जीएनएमऔर सभी विषयों में पीएचडी पाठ्यक्रमों के लिए प्रवेश किया हुई। विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा परीक्षा को शुचितापूर्ण, पारदर्शी, व्यवस्थित और शांतिपूर्वक तरीके से आयोजित करने के लिए विशेष इंतजाम किए गए।प्रवेश परीक्षा को लेकर परीक्षार्थियों के अभिभावकों की सुविधा हेतु विश्वविद्यालय के मंदिर परिसर तथा अस्पताल परिसर में बैठने की समुचित व्यवस्था की गई थी। अभिभावकों के लिये गुड़ एवं शीतल जल की विशेष व्यवस्था कर उन्हें सहज और आरामदायक वातावरण प्रदान किया गया। प्रवेश परीक्षा के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा न हो इस उद्देश्य से मार्गदर्शन कक्ष और सूचना केंद्र भी संचालित किए गए।विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश परीक्षा को शांतिपूर्ण, सुव्यवस्थित एवं सफल बनाने में सहयोग करने वाले सभी अभिभावकों, अभ्यर्थियों, संयोजक मंडल तथा कर्मचारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। उप कुलसचिव श्रीकांत ने बताया कि परीक्षाफल निर्धारित समय सारिणी के अनुसार समय पर घोषित किया जाएगा जिसकी सूचना विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट (उहनह.ब.पद) पर प्रदान की जाएगी।

खरीफ अभियान-2026 हेतु सहकारी समितियों पर उर्वरक उपलब्धता बढ़ी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के किसान भाइयों को खरीफ अभियान–2026 के दौरान उर्वरकों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारी सोनभद्र द्वारा महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है।

जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की संस्तुति के उपरांत 05 मई 2026 को जनपद की 41 सहकारी समितियों में कुल 769.500 मीट्रिक टन यूरिया तथा 20 मई 2026 को 05 सहकारी समितियों में कुल 121.000 मीट्रिक टन पीपीएल फास्फेटिक उर्वरक के आवंटन को अनुमोदन प्रदान किया गया है। सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता, सोनभद्र ने अवगत कराया कि आवंटित उर्वरकों के सापेक्ष पीसीएफ द्वारा सहकारी समितियों एवं उर्वरक बिक्री केंद्रों पर उर्वरक भेजने की कार्रवाई तेजी से की जा रही है, जिससे किसानों को समय से उर्वरक उपलब्ध हो सके। .षक बंधुओं से अपील की गई है कि वे अपने निकटतम सहकारी समिति अथवा उर्वरक केंद्र से संपर्क कर उर्वरकों की उपलब्धता की जानकारी प्राप्त करें तथा निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक खरीदें। यदि कहीं कालाबाजारी, ओवररेटिंग अथवा .त्रिम अभाव की शिकायत मिले तो तत्काल सहकारिता विभाग के कंट्रोल रूम मोबाइल नंबर 9198788248, 9451637073 अथवा जिला .षि अधिकारी कार्यालय के मोबाइल नंबर 9452165778 एवं अपर जिला .षि अधिकारी के मोबाइल नंबर 8881173660 पर सूचना दें, ताकि त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

मुर्धवा मोड़ तिराहे पर सड़क हादसा, घायल युवक की इलाज के दौरान मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पिपरी थाना क्षेत्र के व्यस्त मुर्धवा मोड़ तिराहे पर मंगलवार की शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी।जानकारी के अनुसार बलवंत पुत्र विजयसिंह, (25)म्योरपुर थाना क्षेत्र के रनटोला गांव का निवासी था। बताया जा रहा है कि मंगलवार की शाम वह किसी जरूरी काम से रेणुकूट की ओर आ रहा था। इसी दौरान मुर्धवा मोड़ तिराहे के पास तेज रतार ट्रक की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा इतना जोरदार था कि युवक सड़क पर गिरकर तड़पने लगा। मौके पर मौजूद यातायात पुलिस के साथ स्थानीय लोगों ने तत्काल मानवता दिखाते हुए घायल युवक को उपचार के लिए हिंडालको चिकित्सालय पहुंचाया तथा उसके परिजनों को भी घटना की सूचना दी। चिकित्सालय में डॉक्टरों ने युवक की हालत गंभीर देखते हुए उसका इलाज शुरू किया, लेकिन देर रात उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया। अस्पताल परिसर में परिवार के लोगों का रो–रोकर बुरा हाल था। घटना की जानकारी मिलने पर रेणुकूट चौकी प्रभारी जितेंद्र सरोज पुलिस टीम के साथ अस्पताल पहुंचे और मामले की जानकारी ली। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर बुधवार को पोस्टमार्टम के लिए दुद्धी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेज दिया। चौकी प्रभारी जितेंद्र सरोज ने बताया कि मामले में आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है तथा हादसे में शामिल ट्रक की पहचान कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साइबर ठगी के प्रकरण में पीड़ित के ₹19,500/– कराए गए वापस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा जनपद में साइबर अपराधों की रोकथाम एवं साइबर ठगी से पीड़ित व्यक्तियों को त्वरित राहत प्रदान किये जाने हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री अनिल कुमार के निर्देशन तथा क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक थाना चोपन श्री अखिलेश कुमार मिश्रा के नेतृत्व में थाना चोपन की साइबर हेल्प डेस्क द्वारा प्रभावी कार्यवाही करते हुए साइबर ठगी के शिकार पीड़ित की धनराशि वापस कराई गई। वादी शिवशंकर सिंह के साथ 14.11.2025 को अज्ञात साइबर अपराधियों द्वारा क्रेडिट कार्ड के माध्यम से साइबर फ्रॉड किया गया था, जिसके फलस्वरूप वादी के बैंक खाते से कुल ₹30,191/– की धनराशि अवैध रूप से निकाल ली गई थी। उक्त घटना के संबंध में पीड़ित द्वारा राष्ट्रीय साइबर क्राइम पोर्टल पर शिकायत पंजी.त कराई गई थी। प्रकरण की जांच के दौरान साइबर टीम द्वारा तकनीकी विश्लेषण कर संदिग्ध ट्रांजेक्शनों को ट्रेस किया गया तथा संबंधित बैंक से समन्वय स्थापित करते हुए आवश्यक ई–मेल एवं नोडल पत्राचार किया गया। तत्पश्चात संबंधित धनराशि को होल्ड/फ्रीज कराते हुए नियमानुसार रिवर्सल की कार्यवाही कराई गई। उक्त समन्वित एवं त्वरित कार्यवाही के फलस्वरूप पीड़ित की फ्रॉड हुई धनराशि में से ₹19,500/– (उन्नीस हजार पाँच सौ रुपये) सफलतापूर्वक रिकवर कर उसके मूल बैंक खाते में वापस कराए गए। पीड़ित द्वारा थाना चोपन पुलिस की साइबर टीम के कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा करते हुए आभार व्यक्त किया गया।

गैंगस्टर एक्ट में 9.10 लाख की महिंद्रा एक्सयूवी–500 कुर्क

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना बभनी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के अंतर्गत बड़ी कार्रवाई करते हुए लगभग 9.10 लाख रुपये कीमत की महिंद्रा एक्सयूवी–500 वाहन को कुर्क किया है। पुलिस के अनुसार वाहन संख्या व्क15र–0495 मोहम्मद सरताज पुत्र मोहम्मद बब्बू निवासी मुंडेरा मंडी गेट, नीमसराय, थाना धूमनगंज, जनपद प्रयागराज के नाम पंजी.त है। यह कार्रवाई जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र द्वारा जारी आदेश के अनुपालन में गैंगस्टर एक्ट की धारा 14(1) के तहत की गई। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना बभनी में एनडीपीएस एक्ट एवं गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। संबंधित वाहन पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के मुकदमे में थाना बभनी पर दाखिल था, जिसे 20 मई 2026 को विधिक प्रक्रिया पूरी करते हुए कुर्क कर लिया गया। इस कार्रवाई में प्रभारी निरीक्षक दिन्नू प्रसाद यादव, थानाध्यक्ष रविकांत मिश्रा तथा कांस्टेबल रंजीत पाल शामिल रहे।

डस्ट प्रदूषण पर सख्त हुए जिलाधिकारी, प्रभावित क्षेत्रों में प्रतिदिन चलेगी स्मोक गन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ की अध्यक्षता में डस्ट नियंत्रण एवं प्रदूषण निस्तारण को लेकर महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक कल आयोजित की गई। बैठक में जनपद के डस्ट प्रभावित क्षेत्रों में बढ़ते प्रदूषण पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को प्रभावी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि नगर पंचायत डाला, ओबरा एवं अनपरा क्षेत्र के अधिक धूल प्रभावित इलाकों में स्मोक गन के माध्यम से प्रतिदिन नियमित जल का छिड़काव कराया जाए। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि यह अभियान प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से अपराह्न 3:00 बजे तक तथा सायं 5:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक संचालित किया जाए, जिससे आमजन को धूल प्रदूषण से राहत मिल सके। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि प्रदूषण नियंत्रण शासन की प्राथमिकता में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सड़क किनारे उड़ने वाली धूल को नियंत्रित करने के लिए नियमित पानी का छिड़काव, साफ–सफाई एवं निर्माण कार्यों में मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाए। जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी आर0ओ0यू0पी0 पी0सी0बी0 को नगर पंचायतों द्वारा कराए जा रहे छिड़काव कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए कार्य करें, ताकि जनपदवासियों को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त वातावरण उपलब्ध कराया जा सके। उन्होने आर0ओ0 यू0पी0सी0बी0 को निर्देशित करते हुए कहा कि जनपद में संचालित कम्पनियों क्रसर प्लान्टों आदि का नियमित रूप से निरीक्षण टीम द्वारा किया जाये और अत्यधिक प्रदूषण फैलाने वाले कम्पनियो/क्रसर प्लान्टों के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये। उन्होने कहा कि लाई एस सड़को के किनारे अनाधि.त तरीके से फेका हुआ पाया जाता है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जाये इस कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाये। बैठक में अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला, आर0ओ0 यू0पी0पी0सी0बी अधिकारी आर0के0 सिंह सहित सम्बन्धित अधिकारीगण उपस्थित रहें।

मिशन शक्ति के तहत किया गया जागरूक

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं

सशक्तिकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सोनभद्र पुलिस द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के दूसरे चरण' के अंतर्गत जनपद में व्यापक एवं प्रभावी जनजागरूकता अभियान संचालित किया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा के कुशल निर्देशन में जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित कर समाज के सभी वर्गों को जागरूक किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत महिलाओं एवं बच्चों से संबंधित प्रमुख सामाजिक विषयों.जैसे लिंगानुपात, लैंगिक समानता, बाल विवाह, लैंगिक शोषण, महिलाओं एवं बच्चों के प्रति होने वाली हिंसा, साक्षरता एवं स्वास्थ्य.पर विशेष रूप से प्रकाश डालते हुए जनमानस को जागरूक किया गया। इस क्रम में जनपद के समस्त थानों की मिशन शक्ति टीमों द्वारा विद्यालयों, महाविद्यालयों, कोचिंग संस्थानों, बाजारों एवं ग्राम सभाओं में संवाद कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बालिकाओं को गुड टच–बैड टच, आत्मरक्षा के उपाय, महिला उत्पीड़न से संबंधित विधिक अधिकारों, तथा विभिन्न हेल्पलाइन सेवाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। साथ ही साइबर अपराधों के बढ़ते खतरे को .ष्टिगत रखते हुए ऑनलाइन फ्रॉड, फर्जी कॉल/लिंक, सोशल मीडिया के दुरुपयोग, बैंकिंग धोखाधड़ी एवं व्ज्ञ साझा न करने के संबंध में विशेष जागरूकता उत्पन्न की गई।

रोडवेज बस से कार्यक्रम में शामिल होने निकले राज्य मंत्री

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ईंधन बचाने की मुहिम के तहत बुधवार को ओबरा विधायक व सूबे के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव सिंह गोंड़

काफिला छोड़कर सरकारी रोडवेज बस में यात्रा कर कार्यक्रमों में शामिल होने डाला से अनपरा रवाना हो गए। सूबे के राज्य मंत्री क्षेत्र के बाड़ी स्थित अपने आवास से डाला रामलीला मैदान तक काफिला के साथा पहुंचे वंहा से काफिला छोड़कर तेज गर्मी व चिलचिलाती धूप में सड़क पर खड़े होकर उत्तर प्रदेश राज्य परिवहन बस को रोका और आरक्षित सीट पर बैठ कर यात्रा करते हुए अनपरा एक कार्यक्रम में शामिल होने चले गए। सरकारी बस पर बैठकर जाने की इलाके में खूब चर्चा रही। मंत्री श्री गोंड ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के सार्वजनिक परिवहन इस्तेमाल करने के आह्वान व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षाओं से प्रेरित होकर यह कदम उठाया है। उन्होंने कहा कि देश में डीजल–पेट्रोल की बढ़ती खपत को कम करने और आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए पब्लिक ट्रांसपोर्ट का उपयोग बढ़ाना जरूरी है। लोगों से अपील किया कि सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करें, ताकि ईंधन की बचत हो सके। मंत्री का सड़क पर खड़े होकर रोडवेज बस को रोकना और उसमें सफर करना अब क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है।इस दौरान ओम प्रकाश शर्मा,टाटा चौधरी,पंकज कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

डीजल–पेट्रोल आने की भनक मिलते ही पंप पर उमड़ी भीड़, देर रात तक लगी वाहनों की लंबी कतार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। कोन क्षेत्र में डीजल–पेट्रोल की भारी किल्लत के बीच मंगलवार की रात तेल आने की सूचना मिलते ही एकमात्र खुले पेट्रोल पंप पर लोगों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शाम करीब सात बजे जैसे ही लोगों को पेट्रोल और डीजल उपलब्ध होने की भनक लगी, सैकड़ों की संख्या में बाइक चालक और चार पहिया वाहन मालिक पेट्रोल पंप पर पहुंच गए। देखते ही देखते पंप परिसर से लेकर मुख्य सड़क तक वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालात यह रहे कि किसी को दो घंटे इंतजार के बाद तेल मिल सका तो कई लोगों को चार घंटे तक लाइन

में खड़ा रहना पड़ा। रात बढ़ने के साथ भीड़ और बढ़ती गई तथा रात करीब एक बजे तक पेट्रोल पंप पर वाहनों का तांता लगा रहा। चार पहिया वाहन चालक अपनी बारी आने का घंटों इंतजार करते दिखाई दिए, जबकि बाइक सवारों में पहले तेल लेने की होड़ मची रही। क्षेत्र में डीजल–पेट्रोल नहीं मिलने की आशंका को लेकर लोगों में भय और बेचौनी का माहौल बना हुआ है। मंगलवार को दिनभर लोग एक पेट्रोल पंप से दूसरे पेट्रोल पंप तक तेल मिलने की उम्मीद में भटकते रहे, लेकिन क्षेत्र के पांच पेट्रोल पंपों में केवल एक पंप पर ही रात में तेल उपलब्ध हो सका। इससे लोगों की परेशानी और बढ़ गई। ईंधन संकट का असर आम जनजीवन पर भी पड़ने लगा है। वाहन चालकों को आवश्यक कार्यों के लिए भी परेशानी उठानी पड़ रही है। ग्रामीण क्षेत्रों से आए कई लोगों ने बताया कि घंटों इंतजार और भटकने के बाद भी पर्याप्त मात्रा में तेल नहीं मिल पा रहा है। लोगों ने शीघ्र आपूर्ति सामान्य कराने की मांग की है।

जनसुनवाई में पुलिस अधीक्षक ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं निष्पक्ष निस्तारण के दिए निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा द्वारा पुलिस कार्यालय में आयोजित 'जनसुनवाई/जनता दर्शन' कार्यक्रम में जनपद के

विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए नागरिकों की शिकायतों को गंभीरता, संवेदनशीलता एवं पूर्ण तत्परता के साथ सुना गया। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद, पारिवारिक विवाद, मारपीट, गुमशुदगी, साइबर धोखाधड़ी, राजस्व प्रकरणों एवं अन्य पुलिस संबंधी मामलों से संबंधित शिकायतें प्राप्त हुईं। पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक प्रकरण का स्वयं संज्ञान लेते हुए संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने हेतु स्पष्ट निर्देश प्रदान किए। उन्होंने निर्देशित किया कि सभी शिकायतों की गुणवत्तापूर्ण एवं तथ्यपरक जांच की जाए तथा पीड़ितों को की गई कार्यवाही से समय पर अवगत कराया जाए। किसी भी स्तर पर लापरवाही, विलंब या उत्पीड़न पाए जाने पर कठोर कार्यवाही की चेतावनी भी दी गई। जिन मामलों में त्वरित हस्तक्षेप आवश्यक है, उनमें तत्काल विधिक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 'जनसुनवाई कार्यक्रम पुलिस और जनता के मध्य विश्वास, संवाद एवं पारदर्शिता को सु.ढ़ करने का प्रभावी माध्यम है। आमजन की समस्याओं का त्वरित, निष्पक्ष एवं संतोषजनक समाधान ही पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

उर्मिला फाउन्डेशन की पहल पर शहर में हुई अनोखी शादी

बस्ती। बस्ती शहर ने 19 मई मंगलवार की रात्रि में परस्पर सहयोग का अनूठा उदाहरण देखा जहां उर्मिला फाउन्डेशन के संस्थापक भारतीय जनता पार्टी नेता आलोक पाण्डेय की पहल पर एक बेटी का विवाह धूमधाह से बडे बन स्थित शारदा मैरेज हाल में सम्पन्न हुआ। बड़ी संख्या में लोगों ने सहयोग किया। पतेलवा निवासिनी मां कमलावती गरीबी की मार से परेशान थी, पति का पहले ही निधन हो गया था। उसे यह भय सता रहा था कि उसकी बेटी सुमन के हाथ कैसे पीले होंगे। जब इसकी जानकारी उर्मिला फाउन्डेशन के संस्थापक आलोक पाण्डेय को हुई तो वे सुमन के भाई के रूप में सामने आये और विवाह की सारी रश्मे निभायी। मां कमलावती की आंखों को भरोसा नहीं हो रहा था कि उसकी बेटी सुमन का विवाह इतनी भव्यता से हो रहा है। सुमन की आंखों में भरोसा और खुशी के आंसू थे। बुधवार को उसकी विदाई हुई तो लोगों ने कई उपहार सौपे। दुबौलिया विकास खण्ड क्षेत्र के बरसाव निवासी रामकुमार के साथ धूम धाम के से सम्पन्न हुई। बैण्ड बाजा, डीजे के बीच द्वारचार से लेकर विवाह तक शहर के अनेक विशिष्ट जन उपस्थित रहे और वर–बधू को आशीर्वाद दिया। सुमन के विवाह में मुख्य रूप से नवीन श्रीवास्तव, महफूज, बब्लू तिवारी, ईश्वरा मिश्रा, संदीप तिवारी, गिरजेश श्रीवास्तव, शनिदेव मणि त्रिपाठी, उपेन्द्र शुक्ल, विवेक पाण्डेय, विकास चौधरी, कृष्ण कुमार उर्फ सोनू पाण्डेय, मुरली पाण्डेय, मोनू पाण्डेय, विजय मिश्र, अशोक वर्मा, राजकुमार गौड़, पिकूं पाण्डेय आदि साक्षी बने और सहयोग किया।

जनगणना ड्यूटी में अनियमितता का शिक्षकों ने किया मुखर विरोध

बस्ती सदर तहसील के सभी शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से रद्द

बस्ती। जनगणना कार्य में शिक्षकों की ड्यूटी अनियमित ढंग से लगाए जाने को लेकर शिक्षकों में नाराजगी देखने को मिली। शिक्षकों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी निर्धारण में पारदर्शिता नहीं बरती गई तथा दूरस्थ क्षेत्रों में मनमाने तरीके से तैनाती कर दी गई। शिक्षकों ने कहा कि यदि लगाई गई जनगणना ड्यूटी रद्द करके पुनः नए सिरे से उनके सुविधानुसार नहीं लगाई गई तो वह सभी जनगणना का सामूहिक बहिष्कार करेंगे। जिसको लेकर बुधवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चन्द्रिका सिंह और मंत्री बालकृष्ण ओझा के नेतृत्व में शिक्षक सदर तहसील में अधिकारियों और कर्मचारियों से मिले। जब अधिकारियों और कर्मचारियों ने शिक्षकों की बात नहीं मानी तो शिक्षक धरने पर बैठ गए जिसके बाद अपर जिलाधिकारी प्रतिपाल सिंह चौहान के हस्तक्षेप के बाद सदर तहसील के अंतर्गत लगे सभी शिक्षकों की ड्यूटी तत्काल प्रभाव से रद्द की गई और नए सिरे से लगाने का निर्देश जारी किया गया तब जाकर शिक्षक शांत हुए। ड्यूटी लगाने में पुनः कोई अनियमितता ना होने पाए इसके लिए संबंधित ब्लाक के खंड शिक्षा अधिकारियों को भी लगाया गया है। जिलाध्यक्ष और जिला मंत्री ने कहा कि शिक्षकों की उनके तैनाती स्थल से 40 किलोमीटर दूर ड्यूटी लगाई गई है जो कि बिल्कुल उचित नहीं है। कुदरहा के शिक्षको को ड्यूटी बनकटी, बनकटी के शिक्षको की ड्यूटी साऊघाट, साऊघाट की ड्यूटी बहादुरपुर में लगा दी गयी है ।उन्होंने कहा कि जब जनगणना उस क्षेत्र में भी होनी है जहां पर उसकी तैनाती है तो क्यों ना संबंधित शिक्षक की जनगणना ड्यूटी उसी क्षेत्र में लगा दी जाए जहां उसकी तैनाती है। जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि ड्यूटी निर्धारण में विद्यालय की दूरी, शिक्षकों की संख्या तथा महिला शिक्षकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जाए। वहीं प्रशासन ने आश्वासन दिया है कि नई सूची शिक्षकों की सुविधा में को ध्यान में रखते हुए निष्पक्ष तरीके से तैयार की जाएगी।

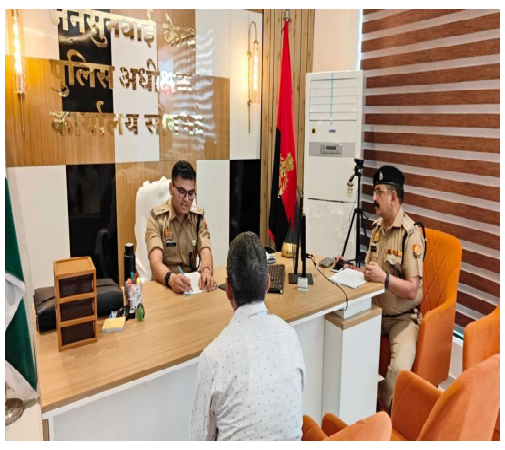

धरने में मुख्य रूप से सुधीर तिवारी, अशोक यादव,विजय यादव, राजीव सिंह, अनीश, असद जमाल, आशीष दुबे, संजय यादव, नीरजा चौधरी, साधना यादव, राजेश वर्मा, मुक्तेश्वर, अंतिका , शीला, अजय श्रीवास्तव, रुकनुद्दीन, सनद पटेल, डॉ0 प्रमोद सिंह, अमित सिंह, उमाकांत शुक्ल, सुरेश गौड, प्रदीप कुमार मिश्र, सोनू पाल विश्वास, हृदय विकास पांडेय, मोहम्मद असलम, मक्खन लाल, अशोक कुमार पांडेय, सूरज मौर्य, राम प्रवेश चौधरी,शैलेन्द्र कुमार चौधरी,अनुराधा चौधरी,समसुलहक खान अध्यक्ष बृजेश त्रिपाठी, मंत्री अनूप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गिरी,चंद्रशेखर त्रिपाठी, राहुल कुमार, विनय चौधरी, सुभाष चंद्र, प्रेम नारायण चौधरी, विवेकानंद सिंह, गुलाबचंद, विकास श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार, कुलदीप गौतम, अतुल वर्मा, विनोद सिंह, नीरज पाण्डेय, हरिशंकर सिंह, कुलदीप गौतम, श्रीनिवास मिश्र, दुर्गेश कुमार सिंह, अतुल शुक्ला, अमरदीप चौधरी, प्रेम नारायण चौधरी, अभिषेक पाण्डेय, बलवंत सिंह, सतीश त्रिपाठी, आनंद कुमार, मोहम्मद आलम, मोहम्मद शाहिद, शिवाजी, सतीश दुबे, रवि तिवारी, अंकित सिंह, शालू सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रकः– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो से आया पहला गाना, जैकी श्रॉफ का नया अंदाज छाया

90 के दशक में कॉमिक किताबों को लेकर लोगों में अलग ही क्रेज था। ऐसी की कॉमिक–बुक की दुनिया को लेकर जैकी श्रॉफ

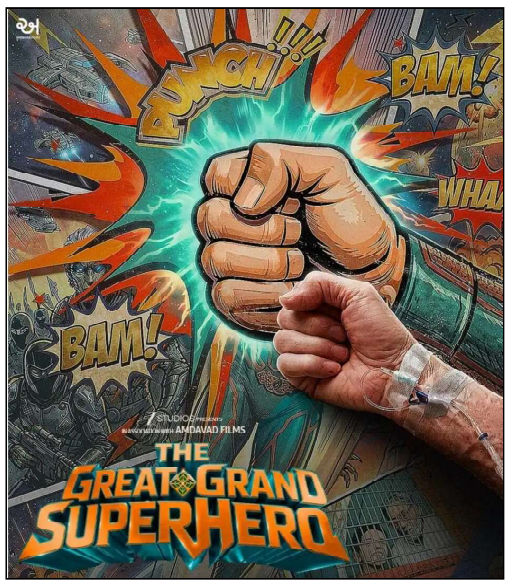

आ रहे हैं अपनी फिल्म द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरो के साथ, जो 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हाल ही में, फिल्म का ट्रेलर जारी किया गया था और अब इसका पहला गाना रिलीज हो गया है। दुश्मन का दादा शीर्षक वाले इस गाने को अमित त्रिवेदी ने अपनी आवाज दी है। दुश्मन का दादा अपने शीर्षक की तरह ही अनोखा है, जिसमें जोश, शरारत और अराजक माहौल दिखता है। इसका वीडियो ऐसी पागलपन वाली दुनिया में ले जाता है, जहां एलियंस, अराजकता और भरपूर मनोरंजन का संगम है। गाने के बोल आरुषी कुशाल ने लिखे हैं, जबकि संगीत कंपोजर अजय जयंती हैं। जैकी का सुपरहीरो वाला नया अंदाज देखने में बेहद दिलचस्प प्रतीत होता है। मनीष सैनी द्वारा निर्देशित फिल्म में प्रतीक बब्बर, भाग्यश्री और रघुवीर यादव जैसे कलाकार भी हैं। जैकी श्रॉफ की प्रमुख भूमिका वाली श्द ग्रेट ग्रैंड सुपरहीरोश्च एक कॉमेडी फिल्म है, जो मुख्यतरू बच्चों को ध्यान में रखकर बनाई गई है।

निर्देशक मिलाप जावेरी की फिल्म तेरा यार हूं मैं को मिली नई रिलीज तारीख, अब 31 जुलाई को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

पिछले साल श्एक दीवाने की दीवानियत्य जैसी रोमांटिक फिल्म देने वाले निर्देशक मिलाप जावेरी अब एक और रोमांटिक फिल्म श्तेरा यार हूं मैंश्य लेकर आ रहे हैं। इस फिल्म से निर्देशक इंद्र कुमार के बेटे अमन इंद्र कुमार बॉलीवुड में कदम रखने जा रहे हैं। फरवरी में जारी हुए फिल्म के फर्स्ट लुक के बाद अब फिल्म की नई रिलीज डेट सामने आ गई है।

मेकर्स ने आज फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा कर दी है। फिल्म का एक पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने ये कंफर्म किया कि श्तेरा यार हूं मैंश्य 31 जुलाई को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

इसके साथ ही कैप्शन में मेकर्स ने लिखा, श्प्यार, दोस्ती, इमोशन और संगीत के लिए तैयार हो जाइए। तेरा यार हूं मैं 31 जुलाई को सिनेमाघरों में आ रही है।श्य इसके साथ ही मेकर्स ने कंफर्म किया कि फिल्म से इंद्र कुमार के बेटे अमन कुमार अपनी शुरुआत कर रहे हैं। उनके साथ आकांक्षा शर्मा इस प्यार, ड्रामा, कॉमेडी और एक्शन से भरपूर म्युजिकल लव स्टोरी में नजर आएंगी।

इससे पहले मेकर्स ने फरवरी में फिल्म की घोषणा करते हुए इसका फर्स्ट लुक जारी किया था। तब मेकर्स फिल्म को 22 मई को रिलीज करने वाले थे। लेकिन अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट बदल दी है। फिल्म का जो पोस्टर जारी किया गया है, उसमें फिल्म के लीड कलाकार अमन इंद्र कुमार और आकांक्षा शर्मा नजर आ रहे हैं। व्हाइट बैकग्राउंड में दोनों के चेहरों का क्लोज अप शॉट है, जिसमें दोनों एक–दूसरे में खोए नजर आ रहे हैं। अभी तक फिल्म की कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। मिलाप जावेरी की आखिरी निर्देशित फिल्म श्मस्तीश्च फ्रेंचाइजी की श्मस्ती 4श्च है, जो पिछले साल रिलीज हुई थी। पिछले साल ही उनकी रोमांटिक फिल्म श्एक दीवाने की दीवानियत्य भी रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने काफी चर्चाएं बटोरी थीं। वहीं क्रिटिक्स और दर्शकों की भी इसे मिली–जुली प्रतिक्रिया हासिल हुई थी। अब वो श्तेरा यार हूं मैंश्य के साथ एक नई लव स्टोरी लेकर आ रहे हैं।

साड़ी में गजब ढाती हैं जाह्नवी कपूर, पेड्डी एक्ट्रेस की इन तस्वीरों पर अटक जाएगा आपका दिल

एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार में अलग–अलग लुक्स को देख दंग रह जाएंगे आप. देखिए कैसे अपने साड़ी लुक से जाह्नवी ने फैंस का दिल जीता और इंटरनेट पर अपना जलवा बिखेरा. जब बात बॉलीवुड के फैशन की हो और एक्ट्रेसेस का साड़ी लुक में ग्लैम दिखे, तो जाह्नवी कपूर का नाम सबसे पहले आता है. जाह्नवी कपूर अकसर अपने इंस्टाग्राम पर साड़ी लुक में

फोटो अपलोड करती नजर आती हैं. जेन–जी एक्ट्रेस का ट्रैडिशनल लुक उनके फैंस का दिल हर बार जीत लेता है. जाह्नवी कपूर के साड़ी अवतार की बात हो तो केवल उनके कपड़े और मेकअप नहीं, ब्लकि उनकी बॉडी लैंग्वेज, स्टाइल, और ग्रेस कि तारीफ भी करी जाती है. भारी और डिजाइनर साड़ी में जाह्नवी का चहरा और भी ज्यादा खिल कर आता है. ट्रेंडिंग फैशन सेंस के साथ– साथ साड़ी में ग्लैमरस लुक देना उनकी खासीयत है. जाह्नवी का साड़ी अवतार हमेशा अलग अंदाज में सामने आता है. इस लुक में जाह्नवी बेहद रॉयल लग रही हैं. ट्रेडीशनल साउथ लुक, हैवी ज्वेलरी, बिंदी, मिनिमल मेकअप और चहरे पर मासूमियत. जाह्नवी कपूर के साड़ी को ड्रेप करने का तरीका हमेशा काफी ग्रेसफुल और एलिगेंट रहता है. इसी के साथ उनका नो–हेवी मेकअप लुक उनके अवतार में चार–चांद लगा देता है. डिजाइनर साड़ी के अलावा जब जाह्नवी प्लेन कॉटन, प्रिंटेड या सिल्क कि साड़ी पहनती हैं तो उनको देखते ही श्रीदेवी का 80ह्य वाला लुक सामने आ जाता है. मॉर्डन ड्रेसेस और हेवी मेकअप लुक जाह्नवी पर खुब जचता है, लेकिन साड़ी में उनकी खूबसूरती और कॉनफिड़ेंस अलग ही खिलता है. हाल ही में अपनी अपकमिंग फिल्म पेड्डी के ट्रेलर लॉन्च के लिए जाह्नवी ने ब्लू साड़ी लुक में सोशल मीडिया पर फोटो डाली. तस्वीरें देख फैंस बोले ट्रेडिशनल हो तो ऐसा.

मोहन लाल की दृश्यम 3 ने रिलीज से पहले ही कर डाली बंपर कमाई, हर 24 घंटे में बिक रहे 30 हजार से ज्यादा टिकट

दृश्यम फ्रैंचाइजी की तीसरी किस्त ने रिलीज से पहले काफी माहौल बना दिया है. फैंस मोहनलाल स्टारर इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं और इसी के साथ इसे पहले दिन के लिए खूब प्री टिकट सेल हो रही है. ऐसे में दृश्यम 3 ने एडवांस बुकिंग में ही अच्छा–खासा कलेक्शन कर डाला है.

बता दें कि दृश्यम 3 मोहनलाल के 66वें जन्मदिन के मौके पर यानी 21 मई को रिलीज होने वाली है. यह फिल्म, एक सामान्य थिएटर रिलीज से कहीं बढ़कर एक्टर के फैंस के लिए एक बड़े इवेंट जैसी है. इन सबके बीच दृश्यम 3 प्री टिकट सेल में भी कमाल कर रही है.

इसने ऑफिशियली अब ममूटी–मोहनलाल की स्पाई थ्रिलर फिल्म पैट्रियट के लास्ट प्री–सेल्स आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है. बता दें कि पैट्रियट ने बुक माई शो पर 333,000 टिकटों के साथ अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी थी लेकिन अब दृश्यम 3 ने इसे मातदे दी है 334,000 का आंकड़ा पार कर लिया है और प्लेटफॉर्म के इतिहास में दूसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली मलयालम फिल्म बन गई है.

यह अब केवल एल2रू एम्पुरान द्वारा बनाए गए 13 लाख के विशाल रिकॉर्ड से पीछे है. गौरतलब है कि बॉक्स ऑफिस पर हाई–ऑक्टेन एक्शन फिल्मों का दबदबा रहता है, लेकिन दृश्यम 3 मॉलीवुड के इतिहास में रिलीज से पहले इस स्तर का दबदबा कायम करने वाली पहली प्योर सस्पेंस–ड्रामा फिल्म बन गई है। फिल्म की पॉपुलैरिटी का अंदाजा रियल–टाइम डेटा से साफ तौर पर लगाया जा सकता है, जहां फिलहाल हर 24 घंटे में लगभग 30,000 टिकट बिक रहे हैं, अकेले केरल में ही पहले दिन की एडवांस कमाई 5 करोड़ का आंकड़ा पार कर चुकी है, जहां राज्य में 2 लाख से ज्यादा टिकट बिक चुके हैं. कोच्चि, तिरुवनंतपुरम और कालीकट जैसे प्रमुख शहरों में भारी भीड़ देखी जा रही है, जहां सुबह 4रू00 और 7रू00 बजे के कई फैन शो पहले ही हाउसफुल हो चुके हैं. फिलहाल, राज्य भर में 1,200 से ज्यादा शो ट्रैक किए जा रहे हैं, और रिलीज की तारीख नजदीक आने के साथ ही कई शो तेजी से भर रहे हैं.

वहीं फिल्म मेकर्स का दावा है कि दृश्यम 3 ने वर्ल्डवाइड प्री–सेल्स के जरिए 20 करोड़ रुपये से ज्यादा की कमाई की है. सैकनिल्क रिपोर्ट के अनुसार, रिलीज से पहले ही दृश्यम 3 की दुनियाभर में प्री टिकट सेल 15 करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुकी है. अभी फिल्म की रिलीज में दो दिन बचे हैं यानी प्री टिकट सेल का आंकड़ा और बढ़ेगा.

दृश्यम जॉर्जकुट्टी और उसके परिवार की कहानी है, जो एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के बेटे के लापता होने के बाद संदेह के घेरे में आ जाते हैं. इस एक्साइटिंग कहानी की शुरुआत 2013 में मोहनलाल स्टारर मलयालम फिल्म से हुई थी. फिल्म की सफलता के बाद, इसका सीक्वल 2022 में आया था. अब इसका तीसरा भाग 21 मई को सिनेमाघरों में रिलीज होगा. बता दें कि तीनों फिल्मों का निर्देशन जीतू जोसेफ ने किया है. दृश्यम 3 में मीना, अंसीबा हसन और एस्थर अनिल भी हैं जो अपनी भूमिकाओ को दोहराते हुए नजर आएंगे. इस फिल्म को केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) द्वारा यूध्ए 13 सर्टिफिकेशन मिला है.

जींस की सफाई करते समय न करें ये 5 गलतियां, रंग हो सकता है फीका

जींस एक ऐसा कपड़ा है, जो आरामदायक होने के साथ–साथ स्टाइलिश भी दिखाता है। हालांकि, अगर जींस की देखभाल सही तरीके से न की जाए तो उसका रंग फीका पड़ सकता है। अक्सर हम बिना सोचे–समझे कुछ ऐसी गलतियां कर देते हैं, जिनसे हमारी पसंदीदा जींस का लुक बिगड़ सकता है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी ही गलतियों के बारे में बताते हैं, जिनसे जींस का रंग फीका पड़ सकता है।

गर्म पानी में न धोएं

गर्म पानी में जींस धोने से उसके रंग पर बुरा असर पड़ सकता है। गर्म पानी से कपड़े की बुनावट ढीली पड़ सकती है, जिससे जींस का रंग भी फीका पड़ सकता है। हमेशा ठंडे पानी का इस्तेमाल करें। ठंडे पानी से धोने से रंग बरकरार रहता है और कपड़े की मजबूती भी बनी रहती है। यह तरीका न केवल रंग को सुरक्षित रखता है, बल्कि कपड़े को भी लंबे समय तक नया बनाए रखता है।

ज्यादा साबुन का इस्तेमाल न करें

जींस धोते समय ज्यादा साबुन का इस्तेमाल करने से भी उसका रंग फीका पड़ सकता है। ज्यादा साबुन से रंग निकल सकता है और कपड़े की मजबूती भी खराब हो सकती है। इसलिए, हमेशा थोड़ी मात्रा में ही साबुन का उपयोग करें। इससे न केवल आपकी जींस का रंग बरकरार रहेगा, बल्कि उसकी मजबूती भी बनी रहेगी। सही मात्रा में साबुन का उपयोग करने से आपकी पसंदीदा जींस लंबे समय तक नई जैसी दिखेगी और आरामदायक भी बनी रहेगी।

जींस को उल्टा करके धोएं

जींस को धोते समय उसे उल्टा कर लेना एक अच्छा तरीका हो सकता है। इससे बाहरी सतह पर लगे धब्बे आसानी से निकल जाते हैं और रंग भी फीका नहीं पड़ता। इसके अलावा उल्टी तरफ से धोने से कपड़े की बनावट पर कम असर पड़ता है, जिससे उसकी मजबूती बनी रहती है। यह तरीका न केवल जींस की सफाई में मदद करता है, बल्कि उसके रंग को भी सुरक्षित रखता है।

अधिक समय तक मशीन में न रखें

अधिक समय तक मशीन में रखने से जींस की बनावट कमजोर हो सकती है और उसका रंग भी फीका पड़ सकता है। इसलिए, जब आपकी जींस धो ली जाए तो उसे तुरंत बाहर निकालें और हवा में सुखाएं। इससे न केवल उसकी मजबूती बनी रहती है, बल्कि उसका रंग भी बरकरार रहता है। इस तरह आपकी पसंदीदा जींस लंबे समय तक नई जैसी दिखेगी और आरामदायक भी बनी ही रहेगी।

ड्रायर का इस्तेमाल करने से बचें

ड्रायर का इस्तेमाल करने से जींस का रंग भी फीका पड़ सकता है और उसकी फिटिंग भी बिगड़ सकती है। ड्रायर की गर्म हवा से कपड़े की बनावट कमजोर हो सकती है, जिससे उसकी मजबूती प्रभावित होती है। इसलिए, हमेशा प्राकृतिक तरीके, जैसे हवा में सुखाने का सहारा लें। इन बातों का ध्यान रखकर आप अपनी पसंदीदा जींस को लंबे समय तक नई जैसी दिखा सकते हैं और उसकी मजबूती भी बनी रहती है।